हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 248, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 24 फरवरी, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

रक्षा मंत्री राजनाथ ने लखनऊ में परिवार के साथ डाला वोट

पहली बार वोट डाल रहे वोटरों से लोकतंत्र को मजबूत करने का आग्रह, मंत्री मोहसिन रजा ने भी लखनऊ में सपरिवार किया मतदान

लखनऊ। लखनऊ से भाजपा सांसद तथा देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को लखनऊ में अपनी पत्नी, बेटे नीरज तथा पुत्रवधू के साथ गोमती नगर के विपुल खंड के मतदान केन्द्र में जाकर अपने अधिकार का प्रयोग किया। राजनाथ सिंह ने मतदान के बाद कहा कि उप्र में आज विधानसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान हो रहा है। लखनऊ समेत इस चरण की कुल 59 सीटों पर सभी मतदाताओं से मेरा अनुरोध है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें और 'नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण में सहभागी बनें। पहली बार वोट कर रहे मतदाताओं से विशेष आग्रह है कि वे लोकतंत्र को मजबूत करने आगे आयें।

बुधवार को राज्य में नौ बजे तक 9.10 प्रतिशत मतदान हुआ है। विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान में सुबह से ही लोगों के केन्द्रों पर पहुंचने के बीच दो घंटे में 9.10 प्रतिशत मतदान हो गया है। नौ जिलों की 59 विधानसभा सीट पर हो रहे मतदान के दौरान पीलीभीत के मतदाता सात से नौ बजे के बीच काफी चुस्त रहे। सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में इस दौरान सबसे कम वोट पड़े हैं। पीलभीत में 10.64 प्रतिशत, लखीमपुर खीरी में 10.43, सीतापुर में 9.59, हरदोई में 8.14, उन्नाव में 9.26, लखनऊ में 8.06, रायबरेली में 8.03, बांदा में 8.81 तथा फतेहपुर में 9.69 प्रतिशत मतदान हो गया था। लखनऊ में लोग सुबह से ही घरों से निकलकर मतदान केन्द्र पहुंच रहे हैं। लखनऊ में बसपा अध्यक्ष मायावती के बाद अन्य नेताओं ने भी अपने घर के निकट के केन्द्र पर जाकर मतदान किया। योगी आदित्यनाथ सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहसिन रजा ने अपनी पत्नी तथा पुत्र के साथ गोमती नगर के विवेक खंड में सेंट जान बास्को

स्कूल के मतदान केन्द्र में जाकर वोट डाला। मोहसिन ने कहा कि आज लोकतंत्र के महापर्व में उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनता भाजपा के पक्ष में वोट कर रही है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश सु?रक्षित हाथों में है। केन्द्र सरकार में मंत्री कौशल किशोर ने मलिहाबाद से भाजपा प्रत्याशी विधायक जया देशी कौशल के साथ मतदान किया। नगर की महापौर संयुक्ता भाटिया ने अपने परिवार के साथ आलमबाग के सिंगार नगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मतदान किया।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बुधवार को प्रातः सात बजे लखनऊ में मतदान किया। माल एवेन्यु में बसपा मुखिया ने अपने आवास के पास ही लखनऊ मांटेसरी स्कूल में जाकर अपना वोट डाला। लखनऊ मांटेसरी स्कूल में सुबह से ही लाइन लगी थी, इसी बीच में मायावती ने भी लाइन में लगकर अपने अधिकार का प्रयोग किया। चौथे चरण में पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा व फतेहपुर में मतदाता सुबह से ही मतदान करने से लिए लाइन में लगे हैं। चौथे चरण में 2.13 करोड़ मतदाता 624 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 91 महिला प्रत्याशी हैं। इस चरण में 16 सीटें सुरक्षित हैं। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 2017 में इन सीटों पर 62.55 प्रतिशत मतदान हुआ था। चौथे चरण में योगी आदित्यनाथ सरकार के चार मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। लखनऊ पूर्व से नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन व लखनऊ कैंट से कानून मंत्री ब्रजेश पाठक चुनाव लड़ रहे हैं। रणवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी सिंह फतेहपुर की हुसैनगंज व सहयोगी दल अपना दल (सोनेलाल) कोटे से मंत्री जय कुमार सिंह जैकी बिंदकी सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय से नौकरी छोड़कर आए राजेश्वर सिंह लखनऊ की सरोजनी नगर से भाजपा उम्मीदवार के रूप में किस्मत आजमा रहे हैं। इस सीट से सपा सरकार में मंत्री रहे अभिषेक मिश्र उनको टक्कर देने के लिए खड़े हैं। लखनऊ मध्य से सपा के रविदास मल्होत्रा की प्रतिष्ठा भी दांव पर है। विधान सभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल इसी चरण में हरदोई से चुनाव लड़ रहे हैं। रायबरेली में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आईं अदिति सिंह मैदान में हैं। रायबरेली की ऊंचाहार सीट से सपा के पूर्व मंत्री मनोज पांडेय चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान के लिए केंद्रीय बलों की 860 कंपनियां तैनात की गई हैं। इनमें से बूथों पर 800 कंपनी, स्ट्रांग रूम ड्यूटी के लिए छह कंपनी लगाई गई है। करीब 53 कंपनी केंद्रीय बल कानून व्यवस्था पर अपनी पैनी नजर रखेगा। इसके अलावा पुलिस के 7,022 इंस्पेक्टर एवं सब इंस्पेक्टर, 58,132 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षियों को लगाया गया है। इनके साथ 21 कंपनी पीएसी, 50,490 होमगार्ड, 1850 पीआरडी जवान व 8,486 चौकीदारों को भी चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध हैं। चौथे चरण में 13,817 मतदान केन्द्रों के 24,643 मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर वोट डाले जाएंगे। आयोग ने 874 आदर्श मतदान केंद्र बनाए हैं। 142 पिंक पोलिंग बूथ भी बने हैं। इनमें सभी कर्मी महिलाएं होंगी। दिव्यांगजन की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर व जगह-जगह वालंटियर की भी व्यवस्था की गई है। वर्ष 2017 के चुनाव में इन 59 सीटों में से 50 सीटें भाजपा के पास थीं। सपा के पास चार, कांग्रेस व बसपा के पास दो-दो सीटें ही थीं। एक सीट अपना दल के खाते में आई थी। वहीं, 2012 के विधान सभा चुनाव में सपा के खाते में 39 सीटें थीं। बसपा के पास 12, भाजपा के पास चार, कांग्रेस के पास तीन व पीस पार्टी के पास एक सीट थी।

घोर परिवारवादियों ने उत्तर प्रदेश के साथ ना इंसाफ किया है और ना ही कर पाएंगे : मोदी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में चरणवार प्रचार कार्यक्रम को गति देने में लगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को बाराबंकी पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाराबंकी के दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के राम स्नेही घाट में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बाराबंकी के साथ ही पास के जिलों के विधानसभा क्षेत्र के लोगों को भी संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान भाजपा सरकार के काम को बताने के साथ ही सपा, बसपा तथा कांग्रेस को घेरा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार ही गरीबों तथा वंचितों का भला कर सकती है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा से पहले शासन करने वाले लोग घोर परिवारवादी लोग नहीं चाहते कि गरीबों का भला हो। उन्होंने कहा कि घोर परिवावादियों ने ना तो उत्तर प्रदेश के साथ इंसाफ किया और ना ही आगे कर पाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दशकों तक जिन घोर परिवारवादियों की सरकार रही। उन्होंने प्रदेश के सामर्थ्य के साथ इंसाफ नहीं किया। घोर परिवारवादियों ने उत्तर प्रदेश के लोगों को कभी भी खुलकर अवसर ही नहीं दिया। यह लोग बौखलाए हुए हैं, यूपी के लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें पता नहीं है कि भाजपा की जीत का झंडा आज यूपी के गरीब ने खुद इस झंडे को उठा लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे ये चुनाव यूपी के विकास के साथ ही देश के विकास के लिए ही उतने ही महत्वपूर्ण है।

यूपी के लोगों का विकास, भारत के विकास को गति देता है। यूपी के लोगों का सामर्थ्य, भारत के सामर्थ्य को बढ़ाता है। घोर परिवारवादी चाहते हैं गरीब हमेशा उनके चरणों में रहे, उनके चक्कर लगाता रहे। हम गरीब की चिंता करते हुए उनके जीवन से मुश्किलें कम करने का काम कर रहे हैं। इसी कारण आज यूपी का गरीब भाजपा के साथ डटकर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी की ये ऊर्जा, उत्साह सिर्फ बाराबंकी और अयोध्या तक ही सीमित नहीं है बल्कि आज चौथे चरण में जहां मतदान हो रहा है, वहां के मतदाताओं को भी भारी संख्या में मतदान करते देखकर पूरे देश के लोकतंत्र प्रेमियों को एक विशेष आनंद हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाराबंकी की जनता का यह अपार स्नेह राष्ट्रवाद और सुशासन की विजय का ओजस्वी घोष है। यहां उमड़े जनसैलाब की एक ही पुकार फिर एक बार भाजपा सरकार। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सभा से बाराबंकी के साथ ही अयोध्या तथा पास के अन्य जिलों पर भी असर डाला। उनकी सभा में कई विधानसभा सीटों के उम्मीदवार के साथ कार्यकर्ता भी एकत्र थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्वांचल का द्वार कहे जाने वाले बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट में बाराबंकी व अयोध्या संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा स्थल दरियाबाद विधानसभा के भिटरिया-हैदरगढ़ मार्ग पर दयारामपुरवा गांव था।

240 भारतीय छात्र घर को लौटे, दिल्ली एयरपोर्ट पर लगाए भारत माता की जय के नारे

नई दिल्ली। यूक्रेन से 240 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया की एक विशेष उड़ान दिल्ली पहुंची। उड़ान से आए सभी यात्री भारतीय हैं जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान यूक्रेन की राजधानी कीव से शाम छह बजे रवाना हुआ था। यह सुबह दिल्ली से

और अधिकांश पढ़ने व काम के लिए यूक्रेन में थे। टर्मिनल 3 पर जैसे ही विमान उतरा यात्रियों के इंतजार में खड़े भारतीय अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया। यात्रियों ने भी विजय चिन्ह दिखा व हाथ हिलाकर उनका धन्यवाद दिया। यात्रियों ने आते ही 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। गया था। रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच हजारों भारतीय यूक्रेन से स्वदेश लौटने का इंतजार कर रहे हैं। यात्रियों ने कहा कि वह दिल्ली आकर बेहद खुश व खुद को बेहद सुरक्षित महसूस कर रहें हैं। यूक्रेन में स्थिति बहुत तनावपूर्ण है क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए हैं। दरअसल, केंद्र सरकार यूक्रेन में रह रहे भारत के विभिन्न राज्यों के भारतीय और छात्रों को यूक्रेन से भारत लौट आने की अपील कर चुकी है। 22, 24 और 26 फरवरी को इसके लिए विशेष उड़ानें चलाई जा रहीं हैं। दिल्ली हवाईअड्डे पर आधी रात के बाद यूक्रेन से आए यात्रियों के परिजन उनकी प्रतिक्षा करते दिखे। पहले से सूचना होने के चलते हवाईअड्डे पर आ रहे यात्रियों की जांच व अन्य प्रक्रिया पूरी करने के लिए कर्मचारी व सुरक्षा एजेंसी लगाई गई थी। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने रात लगभग 9.46 बजे कहा था कि विभिन्न राज्यों के करीब 250 भारतीय मंगलवार रात यूक्रेन से दिल्ली लौट रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि यूक्रेन से लौटने वाले भारतीयों की मदद के लिए आने वाले दिनों में और अधिक उड़ानें परिचालित की जाएंगी।

डॉक्टरों को मिलने वाले मुफ्त उपहारों से महंगी हो रही दवाइयां नहीं देंगे कोई छूटः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दवा निर्माण करने वाली फार्मा कंपनियों की ओर से डॉक्टरों को दिए जाने वाले उपहार मुफ्त नहीं होते हैं। इनका प्रभाव दवा की कीमत में बढोतरी के रूप में सामने आता है, जिससे एक खतरनाक सार्वजनिक कुचक्र बन जाता है। ये टिप्पणियां करते हुए शीर्ष अदालत ने फार्मा कंपनियों के मुफ्त उपहार देने के खर्च को आयकर छूट में जोड़ने संबंधी आग्रह को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि मेडिकल प्रैक्टिश्नर को उपहार देना कानूनन मना है। फार्मा कंपनियां इस पर आयकर कानून की धारा 37 (1) के तहत आयकर छूट का लाभ नहीं ले सकतीं। इस धारा के तहत ऐसा कोई भी खर्च जिसे व्यवसाय को बढ़ाने के लिए किया गया है, उस पर आयकर छूट मिलती है। इस मामले पर फैसले में जस्टिस यूयू ललित की पीठ ने कहा कि डॉक्टर का मरीज के साथ एक ऐसा रिश्ता होता है, जिनका लिखा एक भी शब्द मरीज के लिए अंतिम होता है। डॉक्टर की लिखी दवा चाहे महंगी और मरीज की पहुंच से बाहर हो तो भी वह उसे खरीदने की कोशिश करता है। ऐसे में यह बहुत ही चिंता का मामला बनता है, जब यह पता लगता है कि डॉक्टर की ओर से लिखे परामर्श का संबंध फार्मा कंपनियों के मुफ्त उपहार से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि फ्रीबी (कांफ्रेंस फीस, सोने का सिक्का, लैपटाप, फ्रिज, एलसीडी टीवी और यात्रा खर्च आदि) की आपूर्ति मुफ्त नहीं होती है, इन्हें दवाओं के दाम में जोडा जाता है। इससे दवा की कीमतें बढ़ती है। फ्रीबी देना सार्वजनिक नीति के बिल्कुल खिलाफ है, इसे स्पष्ट रूप से कानून द्वारा रोका गया है। इंडियन मेडिकल काउंसिल के विनियमन, 2002 के उपनियम 6.8 के मुताबिक डॉक्टरों को फार्मा कंपनियां का फ्रीबी देना दंडनीय है। इसके अनुसार ही सीबीडीटी ने फैसले में कहा था कि कंपनियों द्वारा मेडिकल प्रैक्टिश्नर को उपहार देना अवैध है।

चुनाव से पहले बाहुबली मुख्तार पर बड़ी कार्रवाई गाजीपुर में 2.15 करोड़ की बेनामी संपत्ति कुर्क

गाजीपुर। यूपी विधानसभा चुनाव में गमार्ती सियासत के बीच बाहुबली मुख्तार अंसारी पर बड़ी कार्रवाई हुई है। गाजीपुर में 2.15 करोड़ की बेनामी संपत्ति कुर्क कर ली गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई बुधवार दोपहर हुई। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए थे। जिलाधिकारी एमपी सिंह ने पुलिस की रिपोर्ट आख्या पर आईएस 191 गैंग के लीडर मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा अंसारी की महुआबाग (मुहम्मदपट्टी) स्थित 381 वर्ग मीटर भूमि को कुर्क करने आदेश जारी किया था। इस पर सदर एसडीएम अनिरुद्ध प्रताप सिंह और सीओ सिटी ओजस्वी चावला के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस टीम दोपहर दो बजे पहुंची।

गाजीपुर में करोड़ों की संपत्ति हो चुकी है कुर्क– डुगडुगी पिटवाकर 381 वर्ग मीटर भूमि कुर्क कर ली गई। इससे पहले बीते दिसंबर माह में गाजीपुर जिला प्रशासन द्वारा गजल होटल के प्रथम तल को ध्वस्त कराने के साथ ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकानों को सील करने के साथ कुर्की की कार्रवाई की जा चुकी है। इतना ही नहीं लाल दरवाजा के पास स्थित निमार्णाधीन कॉम्प्लेक्स और उसकी भूमि को कुर्क किया जा चुका है। इस संबंध में सीओ सिटी ओजस्वी चावला ने बताया कि डीएम के निर्देश पर माफिया मुख्तार अंसारी की दो करोड़ 15 की बेनामी भू संपत्ति को कुर्क की गई है। बता दें कि मऊ सदर मुख्तार अंसारी जेल में बंद है। इस बार इस विधानसभा चुनाव में मुख्तार मैदान में नहीं हैं। मुख्तार अंसारी की जगह उसके बेटे अब्बास ने सुभासपा के टिकट पर नामांकन दाखिल किया है। मऊ सदर विधानसभा सीट पर 1996 से 2017 तक मुख्तार अंसारी का कब्जा रहा है। अब मुख्तार ने अपनी सुरक्षित सीट बेटे के लिए छोड़ दी है।

ऑपरेशन बुलबुल में एक नक्सल कमांडर ढेर, ईनामी समेत नौ गिरफ्तार

रांची। झारखंड के लोहरदगा एवं लातेहार जिलों में 12 दिनों तक माओवादियों के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन बुलबुल के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम दस मुठभेड़ों में जहां दस लाख रुपये के ईनामी नक्सली जोनल कमांडर बलराम उरांव समेत नौ नक्सलियों को गिरफ्तार किया। वहीं एक शीर्ष नक्सली को मार गिराया है। साथ ही बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया है। यहां झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवं महानिरीक्षक एवी होमकर ने बताया कि आठ फरवरी को लोहरदगा एवं लातेहार के बुलबुल जंगलों में शुरू हुए इस अभियान में सुरक्षा बलों को भारी सफलता मिली और उन्होंने पूरे इलाके में न सिर्फ नक्सलियों की कमर तोड़ दी बल्कि लगभग पूरे इलाके से उन्हें खदेड़ दिया। उन्होंने बताया कि 21 फरवरी को संपन्न हुए इस नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों के साथ कार्रवाई में शामिल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन के तीन जवान आईईडी विस्फोट में घायल हुए। उन्होंने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष माओवादी को मार गिराया जिसकी पहचान की जा रही है। होमकर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने नौ संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा जिनकी पहचान कराने पर पता चला कि उनमें माओवादियों का जोनल कमांडर दस लाख रुपये का ईनामी बलराम उरांव, सबजोनल कमांडर दशरथ सिंह खेरवार, एरिया कमांडर मारकुश नगेसिया, शैलेश्वर उरांव, मुकेश कोरवा, विरेन कोरवा, शैलेन्द्र नगेसिया, संजय नगेसिया और शीला खेरवार शामिल हैं। पकड़े गये नक्सलियों एवं उनके नष्ट किये गये अड्डों से सुरक्षा बलों ने एक अमेरिकन आटोमेटिक राइफल, एक इंसास राइफल, 315 बोर की एक राइफल, एक कारबाइन, एक पिस्तौल, तमाम हथियारों की 1678 गोलियां, एसएलआर की 13 मैगजीन, इंसास राइफल की चार मैगजीन, लाइट मशीनगन की दो मैगजीन, अनेक ग्रेनेड, चार वायरलेस सेट आदि सामान बरामद किया है।

आज जेल में हैं, सपा-बसपा सरकार में लोगों के लिए संकट बन गए अतीक, आजम व मुख्तार अंसारी : शाह

प्रतापगढ़। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि अतीक अहमद, आजम खान और मुख्तार अंसारी सपा, बसपा के शासन काल में सबको परेशान करते थे, आज जेल में हैं तो लोग चैन से रह रहे हैं। रानीगंज विधानसभा में बोलते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा तीन चरणों का मतदान हो चुका है। तीन चरणों में ही यूपी से सपा, बसपा और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है। यूपी में 300 से अधिक सीटों के साथ भाजपा सरकार बनाने जा रही है।

अखिलेश बाबू अच्छे गेंदबाज नहीं हैं। यदि फुलटास बाल मिले तो चौका लगाना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी जी ने पूरे उत्तर प्रदेश को सुरक्षित करने का काम किया है। अतीक अहमद, आजम खान और मुख्तार अंसारी सपा बसपा के शासन काल में सबको परेशान करते थे। आज ये सब जेल में हैं। अगर आपने गलती से भी अखिलेश की सरकार ला दी, तो ये जेल में रहेंगे क्या? अमित शाह बोले कि अखिलेश बाबू आज मैं हिसाब देने और आपसे हिसाब मांगने भी आया है। एक करोड़ 67 लाख लोगों को फ्री रसोई गैस कनेक्शन मिले। भाजपा की सरकार बनते ही होली में फ्री में गैस सिलेंडर घर पहुंच जाएगा। महिलाओं को शर्म न महसूस हो इसलिए भाजपा ने बड़ी संख्या में शौचालय बनवाए। उन्होंने कहा सपा-बसपा-कांग्रेस जो

जातिवाद, परिवारवाद के आधार पर चलती हैं, ये उत्तर प्रदेश का विकास नहीं कर सकती। इनके शासन में घोटालों के गढ्ढे, परिवारवाद का स्पीड ब्रेकर, माफियाओं की टोल वसूली रही। इन्होंने गरीबों, पिछड़े और महिलाओं के लिए नो-एंट्री कर दी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा सपा, बसपा और कांग्रेस के समय में शौचालय नहीं बनाए गए। महिलाओं के सम्मान की बात सोची भी नहीं। पहले बिजली आती ही नहीं थी अब बिजली ही नहीं मिलती बल्कि गरीबों के घर में बिजली का कनेक्शन फ्री दिया जा रहा है। एक बार फिर सरकार बनाइए, पांच साल तक किसानों को बिजली का बिल नहीं भरना पड़ेगा।

शाह बोले कि यह माफिया का क्षेत्र है, हमारे सांसद साथी संगम लाल अक्सर दबंगों की चर्चा करते थे। योगी जी ने माफिया पर नकेल कस दी है। अपराध कम हुए हैं। दो हजार करोड़ की जमीन भूमाफिया कब्जाए थे, अब वह गरीबों को मिल रही है। भाजपा ने जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण खत्म किया। गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कई सालों तक देश पर राज किया। उन्होंने जगजीवन राम जी और बाबा साहब अम्बेडकर का अपमान करने के अलावा कुछ नहीं किया।

दहेज एक सामाजिक बुराई, इसे खत्म करना सबकी जिम्मेदारीः नीतीश

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि दहेज एक सामाजिक बुराई है और इसे खत्म करना सबकी जिम्मेदारी है। एक महीने से अधिक के अंतराल के बाद अपने सामाजिक सुधार अभियान की शुरूआत करते हुए कुमार ने कहा, दहेज प्रथा आज के समाज में सबसे खराब प्रथाओं में से एक है। इसे खत्म करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसे रोकने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए, तभी समाज में सुधार हो सकता है। राज्य में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बाद मुख्यमंत्री का समाज सुधार अभियान स्थगित कर दिया गया था।

सीएम ने लोगों, विशेषकर महिलाओं से बाल विवाह, दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों और शराब के सेवन सहित सभी प्रकार के व्यसनों को मिटाने के लिए प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक सुधारों के बिना विकास का कोई मतलब नहीं है। कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए लोगों को याद दिलाया कि उन्होंने महिलाओं की मांग पर शराबबंदी लागू की थी। इस सभा में सामाजिक-आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में काम कर रहे राज्य सरकार के जीविका, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं एक बड़ी संख्या में उपस्थित थी। उन्होंने कहा, बापू (महात्मा गांधी) ने मानव शरीर और समाज पर शराब के दुष्प्रभावों के बारे में बात की थी। मैंने महिलाओं की मांग पर शराबबंदी लागू की और हमें इसे आगे बढ़ाना है। 2018 में प्रकाशित विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि शराब के सेवन से कैसे मौतें, बीमारियां और दुर्घटनाएं होती हैं। नवीनतम सर्वेक्षण से पता चलता है कि राज्य में पूर्ण शराबबंदी के बाद से 1.6 करोड़ लोगों ने शराब का सेवन छोड़ दिया है। इस बीच भागलपुर पुलिस ने तीन लोगों को उस समय हिरासत में लिया जब वे कथित तौर निषिद्ध क्षेत्र से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ रहे थे।

चिंतन मनन

मानसून का अनुमान

भारत की प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने 2022 के शुरूआती मानसून का अनुमान लगाया है। स्काईमेट ने बताया कि बीते दो सालों के मुकाबले 2022 का मानसून सामान्य रहेगा। इसकी रिपोर्ट एजेंसी अप्रैल में मौसम के मिजाज को देखते हुए जारी करेगी। मानसून सीजन कैसा रहेगा, यह ला नीना घटनाओं से तय होता है। पिछले 2 मानसून सीजन में एक के बाद एक कई ला नीना घटनाएं हुईं, जिनके कारण देशभर में मानसून असामान्य रहा। स्काईमेट के मुताबिक ला नीना घटनाएं अब कम होने लगी हैं। इसका सीधा असर इस साल मानसून पर पड़ेगा। पूरे भारत में चार महीनों के दौरान औसत 880.6 मिलीमीटर बारिश होती है, जिसे लॉन्ग पीरियड एवरेज कहते हैं। स्काईमेट इसे ही औसत मानकर चलती है। यानी बारिश का यह आंकड़ा 100 फीसदी माना जाता है। इस साल 907 मिलीमीटर बारिश होने की संभावना है। 2021 में मानसून के दौरान 177.7 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य से 43.54 फीसदी ज्यादा है। 2020 में देश में 124.8 मिमी बारिश हुई थी। यह सामान्य से 0.64 फीसदी ज्यादा थी। अल नीनो जलवायु प्रणाली का एक हिस्सा है। यह मौसम पर बहुत गहरा असर डालता है। इसके आने से दुनियाभर के मौसम पर प्रभाव दिखता है और बारिश, ठंड, गर्मी सब में अंतर दिखाई देता है। राहत की बात यह है कि ये दोनों ही हालात हर साल नहीं, बल्कि 3 से 7 साल में दिखते हैं। अल नीनो के दौरान, मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होता है। पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली हवाएं कमजोर पड़ती हैं और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में रहने वाला गर्म सतह वाला पानी भूमध्य रेखा के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। इस प्रक्रिया को समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र (जैविक, भौतिक तथा रासायनिक) के विकास में सहायक (असिस्टेंट) कहा जाता है। सामान्य बारिश की शुरूआती भविष्यवाणी को भी सुखद माना जा सकता है। यह देश के कृषि क्षेत्र के साथ-साथ समूची अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक बात है। कृषि क्षेत्र की हालत अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करती है। मानसून को लेकर स्काइमेट का इस साल का पहला अनुमान है। रिजर्व बैंक भी अपनी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को लेकर जो कदम उठाता है उसमें मानसून संबंधी आकलन एक बड़ा और महत्वपूर्ण पहलू होता है। महंगाई का ग्राफ किधर जाएगा, यह भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर करता है। यह लगातार तीसरा साल है जब सामान्य मानसून की भष्यिवाणी की गई है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि मानसून को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साबित नहीं हुई। 2005 से 2017 के दौरान सात बार ऐसा हुआ जब मौसम विभाग की भविष्यवाणियां खरी नहीं उतरीं। अनुमानित और वास्तविक बारिश में कई बार खासा फर्क देखने को मिलता है। इससे सबसे ज्यादा निराशा किसान को होती है जो अच्छी पैदावार की आस लगाए रहता है। अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रहती। पैदावार अच्छी होने से कीमतों पर नियंत्रण बना रहता है। याद हो जब 2009 में मानसून गड़बड़ा गया था तो भारत को चीनी का आयात करना पड़ गया था। कृषि अर्थव्यवस्था मानसून पर टिकी होती है। देश के ज्यादातर राज्यों में अधिकांश किसान इतने गरीब हैं कि बैंकों और साहूकारों से कर्ज लेकर खेती करते हैं। ऐसे में अगर मानसून दगा दे जाए तो फसलें चौपट होने में देर नहीं लगती। किसान कर्ज के भारी बोझ तले दब जाते हैं। पिछले कई सालों में हजारों किसान सिर्फ इसीलिए मौत को गले लगा चुके हैं कि वे कर्ज नहीं चुका सकते थे। अच्छी बारिश होगी, तो रिस कर भूजल के रिक्त होते भंडार को भी सहारा देगी। अगर वर्षाजल संचयन का अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जाए, तो अच्छे मानसून का कहीं अधिक टिकाऊ लाभ उठाया जा सकता है।

लगी होने दौड़ !

बनने खातिर राष्ट्रपति ।
लगी होने दौड़ ।।
उनको है बनाना ।
अंदरखाने होड़ ।।
रेस से मैं बाहर ।
आने लगे बयान ।।
इस चुनावी हलचल में ।
गया अचानक ध्यान ।।
लगे टहलने लोग ।
है संख्या मजबूत ।।
गिन सकता है कोई ।
देना क्या सबूत ।।
काम हो गया चालू ।
है गंभीर प्रयास ।।
आएगा परिणाम जब ।
होगा कोई खास ।।

-कृष्णेन्द्र राय

नोट के बाद अब वोट

जिस प्रकार बैंक में अधिक से अधिक राशि स्थाई रूप से (फिक्स डिपाजिट) जमा कर उसके ब्याज से अपना खर्च चलाने की मानव प्रवृत्ति है, उसी प्रकार अब राजनीति में भी यही प्रवृत्ति विकसित करने की तैयारी है, जिसका श्रीगणेश देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी करना चाहती है, अब वह अपने नोटों के बाद वोटों की फिक्स डिपाजिट चाहती है, जिससे कि वह आराम से अगले कई सालों तक देश व इसके राज्यों पर राज कर सके। फिलहाल देश में वोट बैंक में भाजपा का तीस फीसदी औसत कब्जा है, वह चाती है कि अथक प्रयासों के द्वारा वह अगले कुछ सालों में इस वोट प्रतिशत को दुगुने के करीब पहुंचा दें, जिससे कि कम से कम अगले तीन दशक तक वह देश पर राज कर सके, बकौल पार्टी के केन्द्रीय महासचिव मुरलीधर राव पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में प्रयास भी शुरू कर दिये है।

इन प्रयासों की शुरूआत भाजपा शासित राज्यों में प्रतिपक्षी दलों को पिछले चुनावों में हासिल सीटों से की गई है, खासकर उन सीटों से जो कभी भाजपा के कब्जें में थी और पिछले कुछ सालों से प्रतिपक्षी दलों के कब्जें में है। इस प्रयास को सफल बनाने में अकेली भाजपा ही नहीं बल्कि उसके सहयोगी संगठन भी जुट गए है, विशेष कर इस कार्य में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विशेष रूचि प्रदर्शित कर अभियान शुरू कर दिया है। जिसका ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश का मालवा-निमाड़ क्षेत्र है, जां संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत ने अपना डेरा डाल रखा है। इस मालवा निमाड़ क्षेत्र में विधानसभा की कुल 66 सीटें है, जिनमें से 2018 में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 36 व भाजपा को भाजपा को 27 सीटें मिली थी, शेष तीन सीटों पर निर्दलियों ने जीत हासिल की थी। इससे पहले 2013 के विधानसभा चुनावों में इन 66 सीटों में से भाजपा ने 56 सीटों पर जीत हासिल की थी इस तरह पांच साल में भाजपा को इस क्षेत्र में 29 सीटों का नुक्सान उठाना पड़ा था, अब संघ प्रमुख के नेतृत्व में इन्हीं 29 सीटों पर संघ भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार कर रहा है, मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में अभी करीब बीस माह शेष है, अर्थात् अगले साल (2023) के नवम्बर माह में चुनाव होना है और संघ ने अभी से इस दिशा में विधिवत अभियान चलाकर काम शुरू कर दिया है और उज्जैन में अगले तीन साल की कार्य योजना तैयार करना शुरू कर दिया है। संघ की इस चार दिवसीय अहम् बैठक में प्रदेश केन्द्र के भाजपा पदाधिकारी भी शामिल हो रहे है, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस दिशा में सक्रिय है तथा प्रदेश भाजपा का संघ को पूरा सहयोग हासिल हो रहा है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के भाजपा शासित राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए एक गोपनीय सर्वेक्षण करवाया था, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में भाजपा की स्थिति ज्ञात करना था, इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट से भाजपा को निराशा हाथ लगी क्योंकि रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि देश के भाजपाशासित राज्यों सहित कई क्षेत्र में मोदी जी का आकर्षण कम हो रहा है, जिसके कारण भाजपा को अगले चुनावों में तकलीफ उठाना पड़ सकता है, विशेषकर जिन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी है वहां इसीलिए अधिक ध्यान दिया जा रहा है, इस रिपोर्ट से भाजपा चौंक गई और उसने इस स्थिति को ठीक करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए। ये संघ व भाजपा की सक्रियता इसी रिपोर्ट का परिणाम है। भाजपा नेतृत्व चाहता है कि पांचों चुनावी राज्यों के साथ अगले लोकसभा चुनावों (2024) से पहले डेढ़ दर्जन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा अपना परचम फहराये और फिर 2024 में पुनः देश का आर्शिवाद भाजपा को मिले। इसी अभियान में भाजपा इन दिनों प्राथमिकता से जुट गई है और उसे कांग्रेस सहित निष्क्रिय प्रतिपक्षी दलों का पूरा राजनीतिक लाभ मिल रहा है।

वायु प्रदूषणः समस्याएं व बचाव

हमारा संसार और शरीर पंचमहाभूतात्मक हैं - पृथ्वी ,जल अग्नि ,वायु और आकाश .वर्तमान में हम इन महाभूतों का मिथ्यायोग कर रहे हैं जिसके कारण वातावरण ,प्रकृति और व्यक्ति प्रभावित होकर रुग्ण हो रहे हैं .वायु का प्रदुषण इस समय बहुत अधिक हैं .सड़क ,भवन ,फैक्टरियों का निर्माण होने से ,आवागमन के साधन जैसे कार ,बस ,ट्रकों का अंधाधुंध प्रयोग होने से प्रदुषण बढ़ गया हैं .इन पर नियंत्रण करना असंभव हैं पर बचाव हमारे पास हैं . वायु प्रदूषण का स्तर दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है और सर्दियों के मौसम में इसका प्रभाव हमें साफ महसूस होने लगता है. अब हालत यह हो गई है कि भारत के कई राज्यों में नवंबर दिसंबर के महीने में वायु प्रदूषण इतना बढ़ जाता है कि खुली हवा में सांस लेना मुश्किल होने लगा है. हालाँकि यह समस्या सिर्फ हमारे देश में ही नहीं है बल्कि दुनिया भर में इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है और इससे निपटने के उपाय आजमाए जा रहे हैं. यह बढ़ता वायु प्रदूषण हमारे पर्यावरण को तो नुकसान पहुँचा ही रहा है साथ ही हमारे शरीर के लिए भी यह बहुत हानिकारक साबित हो रहा है. प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण लोग सांस से संबंधित कई गंभीर बीमारियों की भी चपेट में आ रहे हैं. वायु प्रदूषण से जुड़ी कोई भी खबर पढ़ते या सुनते समय आपने एक शब्द जरूर सुना होगा स्मॉग. दरअसल स्मॉग शब्द अंग्रेजी के दो शब्दों स्मोक और फॉग से मिलकर बना है. यह दिखने में कोहरे जैसा ही होता है लेकिन यह उससे काफी अलग होता है. यह धुंध की एक परत है जो वातावरण में हर जगह छायी हुई दिखती है. गाड़ियों और फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुंए और ठंड वाले कोहरे के कारण धुंध की परत चारों तरफ फैल जाती है. कभी कभी यह धुंध इतना गाढ़ी हो जाती है कि धूप भी ठीक से जमीन पर नहीं पहुँच पाती है और ऐसा लगता है जैसे हर समय बादल छाए हुए हैं. यह स्मॉग हमारी सेहत के लिए बहुत ही हानिकारक है. वायु प्रदूषण और स्मॉग से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं और आयुर्वेदिक तरीके से आप कैसे इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

जनाधार बढ़ा सकती है कांग्रेस पार्टी

देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इन पांच राज्यों में से उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी चार राज्यों में कांग्रेस पार्टी मुख्य चुनावी मुकाबले में है। फिलहाल पांच में से चार राज्यों में भाजपा व पंजाब में कांग्रेस पार्टी का शासन है। कांग्रेस पार्टी इन सभी पांच राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करके अपने घटते जनाधार को रोक सकती है। पंजाब के साथ ही उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में कांग्रेस के फिर से सरकार बनाने की संभावनाएं बताई जा रही है।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जहां भारी बहुमत से पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। वहीं गोवा व मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद अपनी रणनीतिक चूक के चलते सरकार बनाने से रह गई थी। इस बार कांग्रेस पार्टी को अपने प्रभाव वाले प्रदेशों में पहले से ही ऐसी सुदृढ़ रणनीति बनानी होगी। जहां बहुमत के करीब होने पर अपनी सरकार का गठन कर सके। ना कि पिछली बार की तरह बहुमत के करीब होने के बावजूद सत्ता से दूर रह जाए।

2017 के विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजों का विश्लेषण करें तो गोवा में कांग्रेस पार्टी ने 40 में से 36 सीटों पर चुनाव लड़कर 17 सीटें जीती थी। वहां कांग्रेस को दो लाख 59 हजार 758 वोट यानि 28.4 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि वहां भाजपा मात्र 13 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके उपरांत भी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव दिग्विजय सिंह की ढिलाई के चलते सत्ता के नजदीक पहुंच कर भी कांग्रेस सरकार बनाने से चूक गई थी। इस बार गोवा में कांग्रेस ने गोवा फारवर्ड पार्टी से चुनावी गठबंधन कर चुनाव लड़ा है।

हालांकि गोवा में कांग्रेस को कई दिग्गज नेताओं के पार्टी छोड़ने से झटके भी लगे हैं। चार बार मुख्यमंत्री व 50 साल तक विधायक रह चुके प्रतापसिंह राणे इस बार पर्ये विधानसभा सीट पर कांग्रेस टिकट मिलने के बावजूद भाजपा से अपनी पुत्रवधू डॉ दिव्या रानी के उम्मीदवार बनने पर उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इससे कांग्रेस को बैकफुट पर आना पड़ा। जबकि कांग्रेस इस बार गोवा में अपनी पार्टी की सरकार बनाने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही है।

उत्तराखंड में भी कांग्रेस सरकार बनाने के प्रति काफी आशान्वित हैं। इससे वहां भी अभी से मुख्यमंत्री पद के दावेदारो में खींचतान शुरू हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 में से मात्र 11 सीटें ही जीत सकी थी। उस वक्त कांग्रेस के मुख्यमंत्री हरीश रावत हरिद्वार ग्रामीण व किच्छा दोनों विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। 2017 में कांग्रेस को 16 लाख 65 हजार 64 यानी 33.5 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व उत्तराखंड कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। जिससे कांग्रेसी को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे किशोर उपाध्याय व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सविता आर्य भाजपा में शामिल हो गई है। उसकी भरपाई के लिए कांग्रेस ने यशपाल आर्य व उनके पुत्र संजीव आर्य को भाजपा छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल करवा लिया था।

मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 60 में से 28 सीटें जीती थी। वहीं भाजपा ने मात्री 21 सीटें जीती थी। मगर कांग्रेस के नेताओं की कमजोरी के चलते वहां भाजपा की सरकार बन गई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 35.10 प्रतिशत वोट मिले थे। मणिपुर में सरकार बनाने को लेकर कांग्रेसी इस बार पूरी सतर्क नजर आ रही है। कांग्रेस इस बार मणिपुर में सरकार बनाने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाह रही है। क्योंकि पूर्वोत्तर में कभी कांग्रेस का एकछत्र राज होता था। मगर आज वहां के सभी आठों प्रदेशों में कांग्रेस सत्ता से बाहर है। इसलिए मणिपुर के रास्ते कांग्रेस एक बार फिर पूर्वोत्तर में अपना वर्चस्व स्थापित करने का पूरा प्रयास कर रही है।

कांग्रेस के लिए इस बार पंजाब में बड़ी संघर्षपूर्ण स्थिति हो रही है। 2017 में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटें जीती थी तथा 38.50 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। उस वक्त कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के एक छात्र नेता होते थे। मगर अब पंजाब में कांग्रेस की स्थिति एकदम से बदल गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से बाहर होकर भाजपा के साथ गठबंधन कर अपनी अलग पार्टी बना कर उससे चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। पंजाब में कांग्रेस को अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी, अकाली दल बादल व भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोग कांग्रेस व सुखबीर सिंह ढींडसा के संयुक्त अकाली दल के गठबंधन के साथ चतुष्कोणीय मुकाबला करना पड़ रहा है। अपने सबसे मजबूत प्रदेश पंजाब में कांग्रेस को कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि पंजाब कांग्रेस के नेता एकजुट होकर मैदान में उतरते हैं तो कांग्रेस के लिए फिर से सरकार बनाने की संभावना बन सकती है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपनी उपस्थिति बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मगर महज 7 सीटें ही जीत पाई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 54 लाख 16 हजार 540 यानी 6.25 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी काफी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं। उसी के चलते इस बार कांग्रेस अकेले ही अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरी है। कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिलाओं, अल्पसंख्यकों को भी टिकट दिया है। यदि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कुछ बड़ा कर पाने में सफल रहती है तो पूरे देश में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं बनने के आसार हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रियंका गांधी की भी राजनीति का भविष्य टिका हुआ है। क्योंकि प्रियंका गांधी ने अपना पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही कर रखा है। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में कुल 690 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें कांग्रेस ने पिछली बार 140 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों की 102 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने पंजाब में 8 उत्तर प्रदेश व गोवा में एक-एक सीटें जीती थी। पिछले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा था। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी का पूरा वर्चस्व इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर ही टिका हुआ है।

यदि कांग्रेस पार्टी इस बार के चुनाव में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर दिखाती है तो कांग्रेस के लिए पूरे देश में संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। कैप्टन अमरेंद्र सिंह के जाने के बाद कांग्रेस को पंजाब में कुछ बड़ा कर दिखाना होगा। तभी पार्टी छोड़कर जा रहे नेताओं के पलायन पर रोक लग सकेगी व कांग्रेस फिर से मुख्यधारा में शामिल हो पाएगी। इन पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिये किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं। जिसमें चूकने का मतलब है सब कुछ समाप्त हो जाना। ऐसे में चुनाव जीतने के लिये पार्टी के नेताओं को पूरा दम लगा कर काम करना होगा।

जुबान की जगह छुरा क्यों चलाएँ ?

कर्नाटक के शिमोगा में बजरंग दल के हर्ष नामक एक कार्यकर्ता की हत्या हो गई! उसकी हत्या करने के लिए 10 लाख रु. का इनाम रखा गया था। इनाम रखनेवाले और हत्यारों के नाम अभी तक प्रकट नहीं किए गए हैं लेकिन कर्नाटक के एक मंत्री ने कहा है कि हर्ष की हत्या मुस्लिम गुंडों ने की है। इस हत्या के लिए कांग्रेसी नेता डी.के. शिवकुमार ने उकसाया था। जवाब में शिवकुमार ने कहा है कि भाजपा धर्म के नाम पर दंगा करवा रही है। उस मंत्री के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज होना चाहिए। याने यह मामला अब पाटीर्बाजी का शिकार हो रहा है। यह अपने आप में बड़ी शर्मनाक बात है। यहां असली सवाल यह है कि हर्ष की हत्या क्यों हुई है? हर्ष कर्नाटक के बजरंग दल का सक्रिय कार्यकर्ता था। उसके परिवारवालों का कहना है कि वह बजरंग दल छोड़ चुका था लेकिन उसने कर्नाटक में हिजाब को लेकर चल रही मुठभेड़ पर कोई ऐसी टिप्पणी कर दी थी, जिसे इस्लाम-विरोधी समझा गया। उसे दो बार धमकियां भी मिली थीं। इस तरह की यह हत्या पहली नहीं है। इस्लाम और ईसाइयत के पिछले दो हजार साल के इतिहास में ऐसी सैकड़ों-हजारों घटनाएं होती रही हैं। धर्म का मामला ही कुछ ऐसा संगीन है। हजार-डेढ़ हजार साल के भारत के इतिहास पर गौर करें तो जो मजहब भारत में पैदा हुए हैं, उनमें भी ऐसे कम लेकिन कई अतिवादी हिंसक और शर्मनाक किस्से होते रहे हैं। आर्यसमाज के संस्थापक महर्षि दयानंद को जहर किसने पिलाया? किसी मुसलमान या ईसाई ने नहीं, एक हिंदू रसोइए ने! दयानंद तो दया की मूर्ति थे। उन्होंने उस हत्यारे जगन्नाथ को 500 रु. कल्दार दिए और कहा कि तू नेपाल भाग जा। वरना पुलिस तुझे पकड़कर फांसी पर लटका देगी। लेकिन क्या ऐसे दयालु लोग आज भारत में हैं। भारत में तो क्या, सारी दुनिया में नहीं हैं। पूरे इतिहास में भी नहीं हैं। लेकिन आज भारत का हाल क्या है? आप किसी भी मजहबी परंपरा के विरुद्ध तर्क करें या किसी भी तथाकथित महापुरुष में कोई दोष देख लें तो उनके अनुयायी आपकी हत्या के लिए तैयार हो जाते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि आप अपनी अक्ल पर ताला जड़ दें और आंख मींचकर किसी भी अनर्गल, तर्कहीन, मूर्खतापूर्ण और अश्लील बात को मानते चले जाएं। और जो न माने, उसे अपमान, प्रताड़ना और हत्या का भी सामना करना पड़े। मैं तो यह मानता हूं कि जो सचमुच महापुरुष है, उसे निंदा या आलोचना कभी भी परेशान नहीं कर सकती। इसके अलावा लगभग सभी धर्मों के धर्मग्रंथ इतने पुराने हो गए हैं कि उनमें लिखी हर बात को आज का कोई भी इंसान पूरी तरह लागू नहीं कर सकता। यदि धर्मग्रंथों की कुछ बातों के विरुद्ध कोई बुद्धिजीवी तर्क करता है तो उस तर्क को आप अपने बुद्धिबल से काट क्यों नहीं डालते? अपनी कलम या जुबान चलाने की जगह यदि आप बंदूक या छुरा चलाते हैं तो आप यह सिद्ध करते हैं कि आपका दिमाग खाली है और सामनेवाला आदमी सच बोल रहा है। उस आदमी के खिलाफ हिंसा करके आप यह संदेश दे रहे हैं कि आपका पक्ष बिल्कुल कमजोर है। इसका अर्थ यह नहीं है कि लोगों को धर्मग्रंथों, ऋषियों, नबियों, पोपों, पादरियों और गुरुओं का अपमान करने की छूट हो लेकिन शिष्टतापूर्ण सत्य को जाने बिना तो मनुष्य जीवन पशुतुल्य बन जाता है।

रंग भी बताता है व्यक्तित्व

रंगों का भी हमारे जीवन में अहम स्थान है। रंगों को लेकर सबकी अपनी अलग-अलग पसंद होती है। ऐसा माना जाता है कि लोगों के पसंदीदा रंग केवल उनकी खुशी ही नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व के बारे में भी जानकारी देते हैं। आप किसी भी इंसान के पसंदीदा रंग के आधार पर उसकी पूरी शख्सियत का अंदाजा लगा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कौनसा रंग क्या कहता है। लाल रंग को पसंद करने वाले लोग जीवन को भरपूर आनंद के साथ जीना पसंद करते हैं और उन्हें प्रकृति से बेहद प्यार होता है। बड़े कदम उठाने या फैसले लेने में वे हिचकिचाते नहीं है और हर पल ऊर्जा तथा रोमांच से भरे रहते हैं। नीला रंग को पसंद करने वाले लोग शांत स्वभाव के होते हैं और अपनी मंजिल को पाने के लिए वह बड़े रास्ते तय करना भी जानते हैं। गुलाबी रंग विशेषकर लड़कियों को बहुत अधिक भांता है। यह मासूमियत और प्रकृति से लगाव को दशार्ता है। इस रंग को पसंद करने वाले लोग दान आदि कार्यों में रुचि रखते हैं। पीला रंग को पसंद करने वाले लोग तर्कसंगत होते हैं और जीवन के प्रति अपनी सोच के साथ बने रहते हैं। ये लोग कल्पनाशील भी होते हैं। वहीं काला रंग मजबूत इरादों वाले और अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध बच्चों का पसंदीदा रंग काला होता है। इस रंग को पसंद करने वाले लोग अपनी सोच को लेकर सख्त मिजाज होते हैं और किसी भी रेस को जीतने के लिए बड़ा कदम उठाने से शमार्ते नहीं हैं। वे सुंदरता और कभी न खत्म होने वाली शैली पर अधिक भरोसा रखते हैं। हरा रंग को पसंद करने वाले लोग आत्मविश्वास से भरे और आकर्षक व्यक्तित्व केहोते हैं। वे किसी भी प्रम में आगे रहने के लिए अवसरों की तलाश करते हैं और किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने से नहीं घबराते। वे प्रकृति प्रेमी भी होते हैं।

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घेरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्क्लिग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेसिंल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईच्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

क्रम भ्रष्ट होती हैं औरतें

- औरतें वास्तव में पुरुषों की तुलना में कम भ्रष्ट होती हैं।
- 1979 से 2016 के दरम्यान 81 फीसदी से कम उच्च महिला नौकरशाहों को पुरुष सहयोगियों के बनिस्पद भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया।
- इटली में 2000 और 2016 में महिला अधिकारी पुरुषों की बजाए 22 फीसदी कम भ्रष्टाचार में लिप्त पायी गई।

जनवरी में ट्रेंसपेरेंसी इंटरनेशनल (एनजीओ) ने दुनिया भर में हुए भ्रष्टाचार पर सालाना रिपोर्ट रिलीज की। इसके औसत पैमाने पर, बीते दशक में भ्रष्टाचार के मामले में कोई सुधार नहीं है। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द इकोनॉमिस्ट के ताजा अंक के अनुसार, एंटी करप्शन एजंसियों को और मजबूत बनाने, आर्थिक अपराधों पर नकेल कसने और सार्वजनिक खर्च को अधिक पारदर्शी बनाने की सिफारिशें इसमें लेखकों ने की। उनके अनुसार, कुछ देशों ने दूसरे तरीकों का भी प्रयोग किया है। जिनमें औरतों को बागडोर करना भी शामिल है। उदाहरण के लिए, 2011 में मैक्सिको के एक स्टेट में केवल औरतों की ट्रैफिक पुलिस यूनिट को भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में लगाया। 1990 के अन्त में पेरू ने भी कुछ ऐसे ही प्रयोग किये थे। औरतें वास्तव में पुरुषों की तुलना में कम भ्रष्ट होती हैं। औरतों के कम भ्रष्ट होने की जिस वक्त दुनिया बात कर रही है, ठीक उसी वक्त यहां भारत में एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) की एमडी व सीईओ रही चित्रा रामकृष्ण पर गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने की खबरें छाई हैं। सेबी का आरोप है कि चित्रा किसी संदिग्ध शक्स से गोपनीय जानकारी साझा करती थी। इस अज्ञात योगी के कहने पर उन्होंने आनंद को नियुक्त किया और उसकी तन्ख्वाह 15 लाख से बढा कर सीधे एक करोड़ 38 लाख कर दी। इनकम टैक्स ने चित्रा के ठिकानों पर छापा मारा और सेबी ने उस पर तीन करोड़ रुपये का फाइन भी लगाया है। तमिलनाडूव उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही जयाललिता व मायावती पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। दोनों पर आय से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप भी सिद्ध हुए। यह कहना निःसंदेह गलत नहीं है कि औरतें अमूमन भ्रष्ट और चोर नहीं होती। यूं भी कह सकते हैं कि वे भ्रष्ट हो नहीं पाती। उनमें भ्रष्टाचार करने का साहस नहीं होता, या वे भ्रष्टों के बीच सहज नहीं हो पाती।

औरतें कम भ्रष्ट होती हैं, इस विचार को मान्यता मिली वर्ल्ड बैंक की रिसर्च से, जो 2001 में 100 देशों के आधार पर प्रकाशित की गयी। जिसमें बहुतायत में विधायकों, अधिकारियों ने घूस बहुत कम मांगी थी। मिलान में, बोकोनी यूनिवर्सिटी की फ्रांसिसको डिकेरोलिस के अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसे ही नतीजे निकाले। इसने पाया, चीन में 1979 से 2016 के दरम्यान 81 फीसदी से कम उच्च महिला नौकरशाहों को पुरुष सहयोगियों के बनिस्पद भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। इटली में 2000 और 2016 में महिला अधिकारी पुरुषों की बजाए 22 फीसदी कम भ्रष्टाचार में लिप्त पायी गईं। स्वीडन की उप्पसाला यूनीवर्सिटी का इलिन बजार्नेगार्ड ने संभावित स्पष्टीकरण की पेशकश की। जिसमें से एक है, औरत अधिकारियों के पास घूस लेने के बहुत कम अवसर होते हैं कि वे संबंधों का गलत तरीके से प्रयोग करें। करप्शन ओल्ड ब्याज क्लब में ही फलता-फूलता है। यह समूह पुरुषों का होता है। जो आपस में लुक छिप कर मिलता-जुलता है और जल्दी किसी पर विश्वास नहीं करता। उनका नेटवर्क अपने साथ के पुरुषों से ही मेलजोल करता है। अर्जेनटीना में देखा गया है कि महिला विधायक पुरुषों की तुलना में दलों में कम होती हैं। जो भ्रष्टाचार में लिप्त होती हैं। मैक्सिको में देखा जाता है कि वही औरतें राजनीति में आती हैं, जो प्रायः एनजीओ से जुड़ी होती हैं। वे करप्ट नेटवर्क में काम करने के बावजूद लिप्त कम होती हैं। स्पष्ट तौर पर कहें तो वे इसके लिए भारी कीमत अदा करती हैं। दरअसल बात सिर्फ विदेशों की ही नहीं है, अपने यहां भी विधानसभाओं/ संसद तक पहुंचने वाली औरतें कम भ्रष्ट होती हैं। जिन पर घूसखोरी के छीटें पड़ते हैं, अमूमन वे खानदानी राजनीतिज्ञ होती हैं। जिनके पीछे पुरुषों का दिमाग और साजिशें होती हैं। कहूं तो औरतों को भ्रष्टाचार के दलदल में ढकेलने का काम पुरुषों द्वारा ही किया जाता है। आईसीआईसीआई बैंक की एमडी रही चन्दा कोचर को भ्रष्टाचार के आरोपों में ही पद से हटाया गया। फोर्ब्स की ताकतवर औरतों की सूची में आई कोचर से बोनस तक वसूला गया। कोचर ने अपने पति दीपक कोचर और उसके मित्र, वीडियोकॉन के मालिक बेणुगोपाल धूत को हजारों करोड़ का फायदा दिया।

असल में तो औरतों के पास पुरुषों के मुकाबले पॉवर बहुत कम होता है। वे ताकतवर होती नहीं और होती भी हैं तो जल्दी घूसखोर नहीं होतीं। हालांकि कुछ महकमे अपने यहां ऐसे हैं, जहां पुरुषों ने ऐसा सिस्टम बना दिया है, जहां घूस का जाल बुरी तरह बिखरा हुआ है। वहां औरतें किसी भी पद पर हों, उन्हें उसका हिस्सा मिलता ही है। वे अपनी सीट के मुआवजे के तौर पर वसूली करने में झिझकती नहीं हैं। बावजूद इसके जहां लैंगिक विषमता कम है, वहां हो सकता है यह स्थिति थोड़ी अलग हो। अपने यहां आमतौर पर उच्च पद औरतों को देने में हिचक होती है। उसका साधारण सा कारण है, पुरुषों को सहूलियत नहीं होती। बेईमान पुरुषों को स्वलिंगी से लेन-देन करना स्वाभाविक लगता है। औरतों की मानसिकता की टोह लगाने में वे असहज रहते हैं। अपनी बिरादरी में बेझिझक शह और मात का खेल खेलने में माहिर हो जाते हैं। गाली-गलौच करना, साथ बैठकर दारू पीना और जिस्मफरोशी का मजा लेना, उनके लिए अनोखी घटना नहीं होती। यूं तो आमतौर पर अन्य अपराधों में भी औरतें बहुत कम संलिप्त रहती हैं। वे पुरुषों के मुकाबले घूस ही नहीं, गंभीर किस्म के गुनाहभी बहुत कम करती हैं। हालांकि औरतों की अपराधी प्रवृत्ति इन 50 सालों में बढती जा रही हैं। क्योंकि अब वे घर की चाहरदिवारी की बजाए बाहर की दुनिया में ज्यादा वक्त बिता रही हैं। उनको पुरुषों के दरम्यान ही काम करना होता है। वे पुरुषों के बनाये भ्रष्ट सिस्टम को तोड़ने में नाकामयाब हो जाती हैं। कहना लाजमी है कि कुछ वक्त बाद ओल्ड गर्ल्स क्लब्स भी बन सकते हैं और बराबरी की मांग करने वाली मेरी जैसी स्त्रीवादियों को पुरुषों की तरह भ्रष्ट औरतों का मुकाबला देखना पड़े। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव
(२३फरवरी-०३ मार्च)

मेष- (21मार्च -20अप्रैल)- दूरदर्शिता अपनाने की आवश्यकता है। नकारात्मक लोगों से दूर रहें। प्रेम व अपनी भावनाएं जाहिर करने में असमर्थता महसूस करेंगे। जिस पर पूर्ण विश्वास हो उसी से गोपनीय बातें साझा करें। जब लक्ष्य के लिए नई दिशा में कदम बढ़ाएंगे तो नियम, प्रतिबन्ध, पुरानी मान्यताओं के लोग राह में बढ़ा बन सकते हैं। आप बढ़ते रहें ओर उनसे उलझे नहीं।

वृषभ -(21अप्रैल -21मई)- घर या बहार कहीं भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। काम के साथ साथ सेहत का भी ख्याल रखना होगा। किसी नई योजना में धन निवेश करते समय शुभ चिंतकों की सलाह अवश्य लें। खर्च पर नियंत्रण रखें।

मिथुन- (22मई -21जून)- शुरु आत संघर्ष या टकराव से होगी और विजय प्राप्त करेंगे। पारिवारिक जीवन में परेशानियां आ सकती है। इसीलिए खुद पर नियंत्रण रखें, बुद्धि को भ्रमित ना होने दें। संघर्ष और तर्क से बचें क्योंकि इससे मानसिक दबाव से बचने में मदद मिलेगी। योग एवं ध्यान को अपनाएं।

कर्क- (22जून -22जुलाई)- असीम संतुष्टि महसूस करेंगे। संघर्ष के अंतराल के बाद भौतिक लाभ व प्रतिष्ठ प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठ प्राप्त करेंगे। नए अवसरों का स्वागत करेंगे। निजी सम्बन्ध में प्रेम विश्वास व सहयोग रहेगा। सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा।

सिंह- (23जुलाई - 21अगस्त)- वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा। करियर और कारोबार दोनों में अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन करेंगे, जिससे आपकी प्रशंसा होगी। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार की प्राप्ति की सम्भावना है। विदेश से जुड़े काम करने वालों के लिए समय शुभ है।

कन्या- (22अगस्त -23सितम्बर)- भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। ध्यान करने और भावनाओं को लिखे। करियर के नए अवसरों के लिए आंखें खुली रखें और संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही आएगा।

तुला- (24सितम्बर -23अक्टूबर)- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें और यदि परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमी हो रही है तो उन्हें दूर करने का प्रयास करें। कार्यो और विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है।

वृश्चिक- (24अक्टूबर -22नवम्बर)- शारीरिक कष्ट और पीड़ा का अनुभव हो सकता है, मानसिक रूप से खुद पर बहुत दबाव डाला है, यह ब्रेक लेने और दिमाग और मांसपेशियों को आराम देने का समय है। आसपास का लोगों के नकारात्मक प्रभाव से लड़ना चाहिए और खुद पर विश्वास रखना चाहिए।

धनु- (23नवम्बर -22दिसम्बर)- ईगो छोड़कर परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठने की सख्त आवश्यकता रहेगी। कारोबार में प्रगति या विशेष पद की प्राप्ति के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता को बनाए रखने के लिए जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी करने से बचें। सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। ध्यान और योग करें।

मकर- (23दिसम्बर -20 जनवरी)- आपका प्रभाव, करिश्मा और सृजनात्मक प्रवृत्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ एवं उन्नित के अवसर प्राप्त होंगे। आप जीत के पथ पर हैं। प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, साहित्य संगीत में दिलचस्पी का फायदा होगा। स्वस्थ्य का पूरा ख्याल रखें। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा। व्यापार में नई योजनाएं क्रियान्वित होंगी।

कुम्भ- (21जनवरी -19फरवरी)- किसी भी प्रोजेक्ट में सफलता हासिल कर सकते है लेकिन मूड स्विंग्स इसमें बाधा पैदा कर सकते है। हर परिस्थिति का हंसकर सामना करना चाहिए ताकि मानसिक तनाव काम हो सके और नया उत्साह पैदा हो। सहयोगियों के मदद से इच्छित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मीन- (20फरवरी -20 मार्च)- निजी संबंध मधुर होंगे। यात्रा का योग बन सकता है। व्यावसायिक क्षेत्र में रचनात्मकता व कार्यकुशलता से सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। भावनाओं से व्यवसायिक दिशा व निजी निर्णय प्रभावित होते हैं। व्यवसायिक जीवन में योजनाएं फलीभूत होंगी। प्रयास जारी रखें। संघर्ष के अंतराल के बाद भौतिक लाभ व प्रतिष्ठ प्राप्त होगी। ■

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

लड़की हूं लड़ सकती हूं मगर पहले घर से

उत्तर प्रदेश में चुनाव के दौरान कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी ने नारा दिया लड़की हूं, लड़ सकती हूं। अपनी मूल प्रतिज्ञा में नारा बहुत अच्छा लगता है। प्रगतिशील विचार भी देता है। लड़कियों को अपने अधिकारों के प्रति सचेत भी करता दिखता है। यह भी बताता है कि जीवन में बिना संघर्ष के कुछ नहीं मिलता है। लेकिन यदि प्रियंका के खुद के परिवार के बारे में सोचें तो क्या वाकई वह अपने अधिकारों के लिए लड़ सकी हैं, या लड़ सकती है। ऐसा क्यों है कि जिस कांग्रेस पार्टी पर उनके परिवार का शासन दशकों से रहा है, जहां इंदिरा गांधी ने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री होने का गौरव पाया था और लम्बे समय तक शासन में रही थीं। अपने समय की सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री भी थी, उन्ही की पार्टी और परिवार में यह क्यों नहीं सोचा गया कि पार्टी की कमान राहुल के अलावा प्रियंका को भी सौंपी जा सकती है। या राजनीति के पुरु ष वर्चस्व में जब भी उत्तराधिकार के मसले हों उनके पहले अधिकारी परिवार के लड़के या पुरु ष ही हों। एकतरह से दल भी जैसे राजशाही के कानूनों से चल रहे है। सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, बड़े से बड़े और छोटे दल इसी लड़कावाद का शिकार

है। समाजवादी पार्टी, लोकदल, शिव सेना, अकाली दल, राष्ट्रीय जनता दल, लोक जनशक्ति पार्टी, तृणमूल, नेशनल कान्फ्रेंस आदि जितने भी दल इस वक्त भारतीय राजनीति के शिखर पर दिखाई देते है, उनमें अपने-अपने परिवार और उससे भी ज्यादा बेटों का बोलबाला है। जिनके बेटे नहीं है, वहां जरूर बेटियां दिखाई देती है। वरना सत्ता का हस्तांतरण अकसर बेटों के नाम ही होता है।

आखिर क्यों लड़कियों और महिलाओं को ये इस लायक नहीं समझते। या आज तक इस विचार से मुक्त नहीं हुए है कि लड़कियों को सत्ता कैसे सौंप दें। वे तो पराए घर चली जाएंगी। मेहनत से राजनीतिक परिदृश्य में जो अर्जित किया है, वह दूसरे के घर चल जाएगा। फिर इसमें मानसिकता में बसा वह सोच भी हावी है, जहां पिता की विरासत संभालने का हक सिर्फ लड़कों को होता है। लड़कियों को पैदा होते ही पराए घर की कहा जाता है। आखिर हमारे राजनीतिक दल जो दुनिया को लोकतंत्र, स्त्री अधिकार, बहन-बेटियों का राग, महिलाओं के भले का गान गाते रहते हैं, वे अपने कार्य व्यापार में बदलते क्यों नहीं। या अभी तक यह विश्वास नहीं कि लड़कियां भी उनकी विरासत को उतना ही आगे बढ़ा सकती है, जितने लड़के। इन बहुत से दलों में वोट तो आम जनता का चाहिए लेकिन दलों के प्रमुख अपने परिवार से ही चुने जाते है। जनसेवा का नशा भी देखिए कि पीढ़ियां जन सेवा के बहाने अपनी सेवा को समर्पित हो जाती हैं। वह अपनी सेवा भी कैसी कि जब अधिकार देंगे, तब लड़कों को ही। लड़कियों को उससे वंचित कर देंगे। इससे पता चलता है कि लड़कियों के जीवन में ससुराल वाले या अन्य बाहर वाले तो बाद में आते हैं। पहले तो उनके परिवार के लोग हर स्तर पर उनके साथ भेदभाव करते है। राजनीति के ताकतवर भी इस भेदभाव से दूर नहीं है।

लड़की हूं लड़ सकती हूं- का नारा बाहर के मुकाबले पहले अपने परिवार से शुरू करना चाहिए। तभी इसकी असली सार्थकता पता चल सकती है। मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो ने कहा था कि बेटी का पहला हक जो हम खा जाते है, वो उसके पैदा होने की खुशी है। सही कहा और ये जो खुशी को खाने वाले है वे अपने परिवार के लोग ही होते हैं। बाहर वाले तो बाद में दुख मनाने आते हैं। ■

विश्व में हर दस में एक व्यक्ति गुर्दा रोग से पीड़ित

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डिपार्टमेंट आफ नेफ्रालाजी के प्रो. डा. संदीप महाजन के अनुसार गुर्दा (किडनी) रोग गैरसंचारी रोग है। यह सही जीवन शैली नहीं अपनाने, अधिक धूम्रपान और शराब के अधिक सेवन से हो सकता है। यह रोग बहुत आम हो गया है। नेशनल हेल्थ पोर्टल के अनुसार, विश्व में हर दस में एक व्यक्ति किडनी रोग से पीड़ित है। विश्वभर में 850 मिलियन लोग विभिन्न कारणों से गुर्दा के रोग से पीड़ित हैं। डॉक्टर महाजन से ज्ञानप्रकाश ने इसी पर बात की-

प्रो. डा. संदीप महाजन

किन मरीजों में गुर्दा रोग होने की ज्यादा संभावना रहती है?

उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मरीजों को गुर्दा से सम्बंधित रोग होने की संभावना ज्यादा होती है। साथ ही ज्यादा शराब और धूम्रपान करने वाले लोगों को भी गुर्दा खराब होने की संभावना रहती है। दरअसल, गुर्दा शरीर में फिल्टर का काम करती है। इसका मुख्य कार्य शरीर के विषैले तत्वों को यूरिन (मूत्र) के माध्यम बाहर निकालना है। साथ ही यह खून को भी साफ रखने में मदद करती है।

गुर्दा का शरीर के संचालन में क्या महत्वपूर्ण भूमिका रहती है?

गुर्दा का पूरे शरीर के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वस्थ गुर्दा से ही मूत्र बनता है, शरीर की गंदगी बाहर निकलती है। साथ ही गुर्दा उच्च रक्तचाप, खून के संचालन में महत्वपूर्ण होती है। विश्व भर में गुर्दा से सम्बंधित रोगों को लेकर जागरूकता लाने के लिए हर वर्ष मार्च के दूसरे बृहस्पतिवार को विश्व गुर्दा दिवस मनाया जाता है।

विश्व गुर्दा दिवस का क्या महत्व है?

विश्व गुर्दा दिवस हमारे गुर्दा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वैश्विक अभियान है। इसका उद्देश्य हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए हमारे गुर्दे के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और दुनिया भर में गुर्दे की बीमारी और इसकी संबद्ध स्वास्थ्य समस्याओं की आवृत्ति और प्रभाव को कम करना है।

सीकेडी के लिए प्रमुख जोखिम कारक क्या है, रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?

मधुमेह और उच्च रक्तचाप क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के लिए प्रमुख जोखिम कारक हैं। सीकेडी के लिए मधुमेह और उच्च रक्तचाप वाले सभी रोगियों की व्यवस्थित स्क्रीनिंग को प्रोत्साहित करना। सभी चिकित्सा पेशेवरों की मदद से विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली आबादी में जोखिम का पता लगाने और कम करने में उनकी विशेष भूमिका के बारे में शिक्षित करना।

गुर्दो को स्वस्थ रखने के लिए खानपान पर किस तरह का प्रबंधन जरूरी है?

शरीर में दो गुर्दा होता हैं। इनका काम खून को शुद्ध करना होता है। यह हमारे शरीर का बेहद खास अंग हैं। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। गुर्दा रक्त से अपशिष्ट उत्पादों, अतिरिक्त पानी और अन्य अशुद्धियों को फिल्टर करती हैं। इनका काम खून को दोबारा दिल को भेजने से पहले फिल्टर कर मूत्र के रूप में अवशिष्ट उत्पादों और अतिरिक्त तरल पदार्थों को बाहर निकालना है। गुर्दा रक्त को साफ करती है और सारे विषाक्त पदार्थों को पेशाब के जरिए हमारे शरीर से बाहर निकाल देती हैं। मगर खराब जीवनशैली और दवाइयों के ज्यादा सेवन से अक्सर गर्दों पर इसका बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अपने शरीर के इन खास अंगों का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। ■

डाइट में शामिल क्या शामिल करना चाहिए?

फल और सब्जियों को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। ये आपको किडनी की बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन जिन लोगों को पहले से ही किडनी की समस्या है वे अपनी डाइट में कम पोटैशियम वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करें जैसे सेब, नाशपती, पपीता, अमरूद आदि। इससे आपकी शुगर भी नियंत्रण में रहेगी।

घर पर करें मैनीक्योर

ब्यूटी

चेहरे की ही तरह हमारे हाथ भी हमारे व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम इनका उपयोग अपने काम करने में और यहां तककि बातचीत में भी लगातार इस्तेमाल करते हैं। जब हम अपने हाथों को धोते हैं तो हाथ रोजाना साबुन और डिटर्जेट के संपर्क में आते हैं। साबुन और डिटर्जेट त्वचा और नाखूनों को नुक्सान पहुंचाते हैं। नाखून खुरदुरे और शुष्क हो जाते हैं। काम करते समय अपने हाथों पर रबर के दस्ताने जरूर पहनें। केमिस्ट की दुकान पर सर्जिकल दस्ताने आसानी से मिल जाते हैं। हाथों की देखभाल के लिए सप्ताह में एक बार मैनीक्योर जरूर करें।

ऐसे करें मैनीक्योर - अपने हाथों को गर्म पानी में भिगोने के लिए आपको एक छोटी कटोरी की आवश्यकता होगी। लकड़ी का एमरी बोर्ड, नेल कटर, नेल पालिश रिमूवर, नेल पालिश और हैंड क्रीम या मसाज आयल। सबसे पहले रूई और नेल पालिश रिमूवर से पुराने नेल पालिश को हटा दें। अगर आप नाखून काटना चाहते हैं तो नेल क्लिपर का इस्तेमाल करें। फिर एमरी बोर्ड की सहायता से इन्हें आकार दें। आपको नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करना चाहिए न कि आगे-पीछे। प्याले में थोड़ा सा गर्म पानी डालिए और अपने हाथों को उसमें पांच मिनट के लिए भिगो दीजिए इसमें बाथिंग जेल की कुछ बूंदें मिलाइए। भीगने के बाद नाखूनों को साफ करने के लिए मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करें। हाथ धोएं। हाथों और नाखूनों पर क्रीम से मसाज करें। एक नम तौलिये से अतिरिक्त क्रीम को पोंछ दें। इसके बाद नेल पालिश लगाएं। सबसे पहले सभी नाखूनों पर नेलपेंट का एक कोट लगाएं। इसके सूखने का इंतजार करें और फिर दूसरा कोट लगाएं।

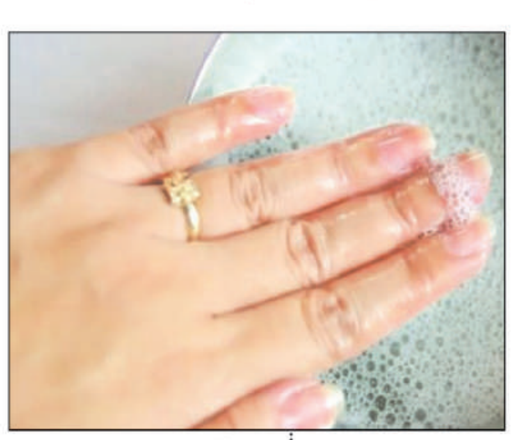

सुझाव- बादाम का तेल या जैतून का तेल नाखूनों और हाथों पर लगाएं। फिर, 2 बड़े चम्मच सूरजमुखी तेल, 2 बड़े चम्मच नीबू का रस और 3 बड़े चम्मच दरदरी चीनी लें। एक साथ तब तक मिलाएं जब तक यह पेस्ट न बन जाए। लगाएं और हाथों में मलें। 15 मिनट बाद धो लें। अगर आपको नाखूनों में कोई इंफेक्शन है तो उन्हें फाइल करने से बचें और नेल पालिश के इस्तेमाल से बचें। चिकित्सक को दिखाएं, यह एक फंगल संक्रमण या सोरायसिस हो सकता है। अपने दैनिक आहार में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, सल्फर, अमीनो एसिड, फास्फोरस, विटामिन बी और ई को शामिल करें। ये दूध और दूध उत्पादों, साबुत अनाज, अंडे, फल, पत्तेदार हरी सब्जियों में मिलते हैं। आहार में परिवर्तन करने से पहले अपने चिकित्सक की सलाह लें, खासकर यदि आप किसी बीमारी या चिकित्सा स्थिति से पीड़ित हैं। ■

■ अनिता घोष

चिली पोटेटो

सामग्री- बायल किया हुआ छोटे आकार का आलू 10-12, 100 ग्राम कार्न फ्लोर 3 चम्मच, ग्रीन कैप्सिकम 2 कटा हुआ, रेड कैप्सिकम1, यलो कैप्सिकम एक, हरी धनिया दो चम्मच कटा हुआ, टोमेटो सास दो चम्मच, सोया सास एक चम्मच, दही 50ग्राम, हरी मिर्च 2-3 कटा हुआ, एक चम्मच अदरक पेस्ट, काली मिर्च पाउडर एक चुटकी, चिली फ्लेक्स आधा चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि- बायल किए हुए आलू छील कर रखें। कार्न फ्लोर में एक चुटकी नमक और एक चुटकी काली मिर्च मिला कर घोल बना लीजिए। अब कढ़ाही में तेल डाल दें। तेल गरम हो जाने के बाद आलू को घोल मे डुबोकर कढ़ाही में तलने के डालें। आलू हल्का सा सुनहरा होने पर इसे एक प्लेट में निकाल कर रख दें। अब एक पैन में 2 चम्मच तेल गरम कीजिए, तेल गरम हो जाने के बाद इसमें रेड कैप्सिकम, यलो कैप्सिकम और ग्रीन कैप्सिकम डालकर थोड़ा भूने। अब कटी हुई हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और दही मिलाकर 2 मिनट के लिए ढंक कर रखें। थोड़े देर बाद ढक्कन खोलकर देखें क्रंची कैप्सिकम पककर तैयार है। पके हुए क्रंची कैप्सिकम में सोया सास, टोमेटो सास नमक, चिली फ्लेक्स और बचा हुआ कार्न फ्लोर का घोल डाल कर सभी को अच्छे से मिक्स करके 2 मिनट तक पकाएं। इसके बाद प्लेट में रखा आलू डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब धनिया पत्तों से गर्निश करें। तैयार हो गया चिली पोटेटो। गरमा गरम चिली पोटेटो रोटी या परांठे के साथ खाएं और खिलाएं।

व्रत का हलवा

सामग्री- 2 कप सिंघाड़े का आटा, एक कप कद्दूकस किया खोया, एक कप मिल्क पाउडर, 1 कप पीसी चीनी, दो कप दूध, एक चम्मच घी, एक चम्मच पीसी इलायची, 25 ग्राम कटे हुए ड्राई फ्रूट्स, (काजू, किशमिश, बादाम)।

विधि- मीडियम आंच पर एक कढ़ाही रखें। कढ़ाही गरम हो जाने के बाद घी डाले। घी गरम हो जाए तो आंच को धीमी करके आटा को भून लें फिर दूध डाल दें। जब दूध हल्का गरम हो जाए तो तो मिल्क पाउडर डाल दें। लगातार चलाते रहे। अब कद्दूकस खोया भी डाल दे। मावा मिले दूध को तब तक चलाते रहें जब तक ये गाढ़ा न हो जाए। अगर आपको लगे मिश्रण गाढ़ा नहीं है तो जरूरत के हिसाब से मिल्क पाउडर के मिश्रण को हल्की आंच पर ही भूनें ताकि ये नीचे से जल नहीं जाए। अब चीनी, ड्राई फ्रूट्स और पीसी इलायची भी मिला दे। अब इसमें कड़ाही में रखे मिश्रण को फैला कर ठंडा करने दें। तैयार हो गया स्वादिष्ट व्रत का हलवा। गरम या ठंडा व्रत में खाएं और खिलाएं।

यूपी चुनाव में भाजपा ने सुरक्षा और मुफ्त राशन को बनाया मुद्दा

प्रयागराज। यूपी में विधानसभा चुनाव के आगे बढ़ने के साथ मतदाताओं के बीच कुछ चीजों को लेकर चर्चा आम है, जैसे सुरक्षा, सकुन और मुफ्त राशन। वहीं सत्तारूढ़ दल के नेताओं को बेरोजगारी और गुंडों के खिलाफ कार्रवाई में भेदभाव करने के

बेरोजगारी और गुंडों के खिलाफ कार्रवाई में भेदभाव के आरोप उठे

आरोपों का भी सामना करना पड़ रहा है। शहर पश्चिम में ई रिक्शा चलाने वाले 50 वर्षीय अनिल सोनकर का कहना है कि उसने सोचा था कि उसके बेटे को उससे बेहतर काम मिलेगा, भले ही वह स्नातक है, लेकिन अच्छी नौकरी मिलना मुश्किल है। हालांकि उसने गैंगस्टर अतीक अहमद के गिराए गए कार्यालय की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीजें सुरक्षित की हैं और अब मैं गुंडों का सामना किए बिना रिक्शा चला सकता हूं। सोनकर ने कहा कि पिछले तीन दशक में पहली बार ना ही अतीक अहमद और ना उसके परिवार का कोई सदस्य इस बार चुनाव लड़ रहा है।

शहर उत्तर में सड़क किनारे कपड़े बेचने वाले विनोद कुमार केसरवानी की सोच भी कुछ इसी तरह की है। पिछले कुछ समय से काम मंदा चलने के बावजूद उसका राजनीतिक जुड़ाव प्रभावित नहीं हुआ है। उसका कहना है,क्या समाजवादी पार्टी अर्थव्यवस्था को सुधारेगी। अब सुकून है, भाजपा को और एक मौका मिलना चाहिए। एक चाय की दुकान पर बैठे रमेश कनौजिया कहते हैं, मुफ्त राशन जल्द ही बंद हो जाएगा। हम अपना खाना पाने के लिए कमाना चाहते हैं। अखिलेश यादव पर भी विचार किया जाना चाहिए। वहीं एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, सरकार को सभी अपराधियों को एक समान नजर से देखना चाहिए। इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। दूसरी ओर, अपने अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशु की समस्या जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा के खिलाफ हवा बनाने में लगी है और सत्तारूढ़ पार्टी से मुकाबला करने के लिए उसने जातिगत समीकरण बनाने के लिए विभिन्न समुदायों के लोगों को टिकट दिया है। इनमें से कई मुद्दे विभिन्न वर्गों के लिए निश्चित तौर पर काफी मायने रखते हैं, लेकिन भाजपा विकास, कानून व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं को अपने प्रचार के केंद्र में रखकर चल रही है और राष्ट्रवाद एवं हिंदुत्व का संदेश जाति से परे होकर सभी वर्गों के बीच जा रहा है। कुछ मतदाता पूछते हैं कि सनातन धर्म के लिए किस पार्टी ने काम किया? विपक्षी दल प्रतिनिधित्व और रोजगार के मुद्दों को उठाकर विभिन्न समुदायों तक पहुंचकर सत्तारूढ़ दल को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेश चंद्र यादव ने कहा कि प्रयागराज की कुल 12 विधानसभा सीटों में उनकी पार्टी ने ब्राह्मण, ठाकुर, कुर्मी, बिंद और अनुसूचित जाति के समुदायों के अलावा दो-दो यादवों और मुसलमानों को मैदान में उतारा है। वह आदित्यनाथ के खिलाफ पूर्वांचल में ब्राह्मणों के एक वर्ग में कथित असंतोष का भी हवाला देते हैं और दावा करते हैं इससे उनकी पार्टी को फायदा होगा।

यूपी के वोटरों के पास फिर रिकॉर्ड बनाने का मौका, कई चर्चित चेहरों की है परीक्षा

लखनऊ। उतर प्रदेश में हो रहे विधानसभा के चौथे चरण में नौ जिलों की 59 सीटों पर बुधवार को मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा। इस चरण में 624 प्रत्याशी मैदान में हैं। शाम छह बजे तक जितने लोग मतदान केंद्र परिसर में कतार में खड़े होंगे उन्हें वोट देने का अधिकार होगा। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए 860 कंपनी अर्द्धसैनिक सुरक्षा बल तैनात किए हैं। राजधानी लखनऊ की नौ विधानसभा सीटों पर कुल 109 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आज वो निर्णायक दिन है जब 109 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो जाएगा। चुनाव के एक दिन पहले तक विभिन्न दलों के प्रत्याशी अपने समर्थन के लिए लोगों को जोड़ने में लगे रहे। कुछ दलों के नेता व उनके कार्यकर्ता मतदाताओं तक पर्चियां पहुंचने की जानकारी लेते रहे। पर्ची न पहुंचने पर पोलिंग स्टेशन से पर्ची लेने की सलाह देते रहे। फोन पर मतदान के लिए जरूरी पहचान के दस्तावेजों

को ले जाने के बारे में जानकारी दी। इस बार राजधानी का चुनाव ग्लैमर से दूर रहा। 2017 के विधानसभा और 2019 के लोक सभा चुनाव में जहां कई फिल्मी स्टार प्रचार के लिए राजधानी आए थे वहीं इस बार वह दूर रहे। भाजपा सांसद व भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी के अलावा कोई खास चेहरा नजर नहीं आया। हां, राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं ने जरूर चुनाव प्रचार को ऊंचाइयों पर पहुंचाया। भाजपा प्रत्याशियों के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा सहित तमाम केन्द्रीय मंत्रियों ने प्रचार किया वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव व बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी लखनऊ में सभा व रोड शो कर अपने प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। 2017 के विधान सभा चुनाव की तुलना में 2022 में प्रत्याशियों की संख्या कम है। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में 135 प्रत्याशियों ने ताल ठोंकी थी। इस बार चुनावी मैदान में कई चर्चित तो कई नए चेहरे भी सामने होंगे। सरोजनीनगर में पहली बार ईडी से वीआरएस लेकर राजनीति में उतरे राजेश्वर सिंह चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा कई और नए चेहरे भी हैं।

उत्तर प्रदेश में आधी आबादी पर भाजपा का फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चुनावी घमासान में कांग्रेस ने भले ही 40 फीसदी महिलाओं को टिकट देखकर आधी आबादी को साधने की कोशिश की हो, लेकिन भाजपा का भी काफी दांव महिला मतदाताओं पर लगा हुआ है। पार्टी का मानना है कि विभिन्न लाभार्थी योजनाओं से लाभान्वित और प्रभावित होने वाला बड़ा वर्ग महिलाओं का ही है और उन्हें जो सुविधाएं मिली हैं उसका लाभ उसको चुनाव में मिलेगा। ऐसे में भाजपा की कोशिश महिला मतदान को बढ़ाने पर है। भाजपा की कई प्रमुख महिला नेताओं के साथ विभिन्न राज्यों से आई महिला नेता और कार्यकर्ता लगातार महिलाओं के बीच संपर्क और संवाद भी कर रही हैं। उत्तराखंड और पंजाब के विधानसभा चुनाव पूरे हो चुके हैं और इन दोनों राज्यों में महिला मतदाताओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया है। उत्तराखंड में 65.37 फीसदी मतदान हुआ है, जिसमें महिला मतदाताओं ने 67.20 फीसदी मतदान किया है, जबकि पुरुष मतदान 62.60 फीसदी रहा। महिलाओं ने 4.60 फीसदी ज्यादा मतदान किया है। इसके पहले 2017 के चुनाव में भी उत्तराखंड में महिला मतदाताओं ने पुरुषों की तुलना में ज्यादा मतदान किया था। पंजाब के चुनाव में भी महिला मतदाताओं ने पुरुषों के साथ लगभग बराबरी की भागीदारी दिखाई है। वहां पर पुरुष मतदान 71.99 फीसदी रहा है, जबकि महिलाओं को मतदान 71.90 फीसदी रहा। भाजपा का सबसे बड़ा दांव उत्तर प्रदेश में लगा हुआ है और वहां पर उसने अपनी विभिन्न केंद्र और राज्य की लाभार्थी योजनाओं को बड़ा मुद्दा बनाया हुआ है। इनमें सबसे बड़ा लाभार्थी वर्ग महिलाओं का ही है।

बाराबंकी के किसानों ने योगी की रैली से पहले सैकड़ों मवेशियों को खुले मैदान में छोड़ा

लखनऊ। बाराबंकी के किसानों ने सीएम योगी आदित्यनाथ की रैली से पहले सैकड़ों की संख्या में मवेशियों को खुले मैदान में छोड़ दिया। पूर्व नेता रमनदीप सिंह मान की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो में बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों को खुले मैदान में घूमते देखा जा सकता है। मान ने ट्वीट में लिखा, 'बाराबंकी में सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले किसानों ने खेतों से खदेड़कर सैकड़ों पशु रैली स्थल में छोड़ दिये, किसानों से तो इन छुट्टा जानवरों का इलाज निकला नहीं, और 5 साल में यूपी सरकार ने भी कोई इलाज नहीं निकाला। अब देखना यह था कि कार्यक्रम से पहले बीजेपी वाले क्या इलाज निकालते हैं!' इस मुद्दे को लेकर हालांकि सीएम या बाराबंकी प्रशासन की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिली लेकिन सीएम योगी ने आज शाम को एक वीडियो

ट्वीट किया जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने पर आवारा मवेशियों की समस्या हल करने का वादा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने रविवार को एक रैली में कहा, 'आवारा पशुओं के कारण आप लोगों को जो परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, उससे निपटने के लिए 10 मार्च के बाद नई व्यवस्था लागू की जाएगी। ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी जिसके तहत आप ऐसे पशुओं के गोबर से भी आमदनी कर सकेंगे जो दूध नहीं देते।' हालांकि सीएम योगी के ट्वीट को लेकर कांग्रेस ने पलटवार करने में देर नहीं लगाई। कांग्रेस ने पांच साल के दौरान इस मसले की अनदेखी के लिए बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। पार्टी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ और पीएम मोदी को आवारा मवेशियों की समस्या केवल चुनाव के पहले ही नजर आती है।

सपा को वोट देना मतलब गुंडा राज को समर्थन देना : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि मुस्लिम और दलित दोनों उनकी पार्टी को वोट देंगे और वे पूर्ण बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाएंगे। मायावती, जिन्होंने लखनऊ में वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, मुस्लिम समाज पहले से ही समाजवादी पार्टी से नाराज है। यह उन्हें वोट क्यों देगा? यूपी के निवासियों ने मतदान से पहले ही सपा को खारिज कर दिया है क्योंकि सपा को वोट देने का मतलब गुंडा राज और माफिया राज है। हम पहले भी सपा शासन के दौरान दंगे देख चुके हैं। समाजवादी पार्टी के नेताओं के चेहरे बता रहे हैं कि वे सत्ता में नहीं आ रहे हैं। मायावती ने कहा कि अल्पसंख्यक लोग सपा की कार्यशैली से बहुत दुखी है। सपा जो सरकार बनाने का सपना देख रही है इनका सपना चकनाचूर हो जाएगा। जब-जब समाजवादी पार्टी

सत्ता में रही है, उस दौरान सबसे ज्यादा उत्पीड़न दलितों और पिछड़ों का हुआ हैं। बसपा को अकेले सभी वर्गों का वोट मिल रहा है। भाजपा, सपा जीत का दावा कर रहे हैं, कहीं ऐसा ना हो कि उनके दावे धरे के धरे रह जाए। जब नतीजे आएंगे तो बसपा को 2007 की तरह पूर्ण बहुमत मिलेगा।

नशे की हालत में गिरफ्तार हुई मशहूर एक्ट्रेस काव्या थापर

मुंबई। अभिनेत्री काव्या थापर पुलिस की गिरफ्त में हैं और उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। एक्ट्रेस को जुहू पुलिस ने गिरफ्तार किया है क्योंकि उनपर शराब के नशे की हालत में कार चलाने और एक व्यक्ति के वाहन को ठोकर मारने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, एक्ट्रेस को जब पुलिस ने रोकने की कोशिश की हाथापाई की और अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, जुहू पुलिस ने बताया की एक्ट्रेस ने एक फाइव स्टार होटल से बाहर आते ही एक कार को हिट किया। जब कार के मालिक ने उन्हें रोका तो एक्ट्रेस ने सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस की टीम पहुंची। नशे में धुत एक्ट्रेस ने कार मलिक के साथ तो अभद्र व्यवहार किया ही साथ ही पुलिस को भी गलियां दी। अधिकारी ने रोका तो वे एक्ट्रेस मारपीट करे पर उतारू हो गईं। बाद में पुलिस ने बल का प्रयोग कर उन्हें अरेस्ट किया।

डॉगी की शू-शू, पॉटी पर नोएडा में वसूला जाएगा जुर्माना पहली शिकायत पर 100, दूसरी पर 200, तीसरी पर 500 रु.

नोएडा। दादरी, ग्रेटर नोएडा और नोएडा में डॉग बाइट की घटनाएं बढ़ रही हैं। हालांकि आवारा कुत्तों पर लगाम के लिए नोएडा अथॉरिटी अभियान चला रही है। एक बार फिर नोएडा अथॉरिटी ने सड़क, पार्क और सावर्जनिक जगहों पर डॉगी को लाने के नियम कड़े कर दिए हैं। यहां तक की डॉगी के शू-शू और पॉटी करने तक पर जुमार्ने की रकम का ऐलान किया जा रहा है। कुत्तों के चलते अब तक मेड भी सोसाइटी में आने से मना करने लगी हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही ग्रेटर नोएडा में एक पिटबुल नस्ल के डॉगी ने बच्चे के चेहरे पर काट कर घायल कर दिया था। बच्चे के चेहरे पर 42 टांके लगे थे। नोएडा अथॉरिटी के अफसरों की मानें तो बहुत सारे लोग अपने डॉगी को घुमाने के लिए सड़क, पार्क या सार्वजनिक जगहों पर ले जाते हैं। ऐसी जगहों पर उन्हें शू-शू और पॉटी भी कराते हैं। ऐसे मौकों पर कई बार डॉग बाइट की घटनाएं भी सामने आई हैं। वहीं सार्वजनिक जगहों पर शू-शू, पॉटी कराने के चलते लोगों के बीच आपस में विवाद भी होता है। लोग अथॉरिटी में शिकायतें भी करते हैं। इसी को देखते हुए लोगों को जागरुक कर बताया जा रहा है कि सड़क, पार्क या सार्वजनिक जगहों पर डॉगी के शू-शू और पॉटी करने पर जुमार्ना लगेगा। पहली शिकायत पर 100 रुपये, दूसरी पर 200 और तीसरी शिकायत आने पर 500 रुपये वसूले जाएंगे। इतना ही नहीं अगर चौथी बार शिकायत आती है तो डॉगी का रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया जाएगा। गौरतलब रहे नोएडा में बड़ी संख्या में देशी और विदेशी नस्ल के कुत्ते-बिल्ली पाले जाते हैं। नोएडा अथॉरिटी ने कुत्ते-बिल्ली दूसरे पेट्स के लिए अब रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए 2021, नवंबर में अथॉरिटी की सीईओ रितु माहेश्वरी ने नोएडा पेट्स रजिस्ट्रेशन एप लांच किया था। यह एप प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। एप की मदद से कोई भी पेट्स लवर घर बैठे ही पेट्स का रजिस्ट्रेशन करा सकता है। इसके लिए अथॉरिटी ने 500 रुपये फीस रखी है। यह फीस एक साल के लिए होगी। रजिस्ट्रेशन कराने और फीस देने के बाद अथॉरिटी की यह जिम्मेदारी होगी कि वह हर एक रजिस्डर्ट पेट्स को एंटी रैबीज का टीका लगवाए। नोएडा अथॉरिटी की कोऑर्डिनेटर हुसाना परवीन की मानें तो सोसाइटी और कालोनी में पैट रजिस्ट्रेशन के लिए कैम्प लगाया जाएगा। कैम्प में रजिस्ट्रेशन के लिए आने वाले पैट लवर को एक आईडी प्रूफ, एक एड्रेस प्रूफ, पैट मालिक के दो फोटो और पैट के वैक्सीनेशन का कार्ड लेकर आना होगा। इसके साथ ही फीस के रूप में 500 रुपये भी जमा कराने होंगे। हुसाना का कहना है कि इस कैम्प का मकसद पैट की जानकारी इकट्ठा करना, उनके वैक्सीनेशन की डिटेल जमा करना और किस-किस ब्रीड के पैट नोएडा की सोसाइटी और कालोनियों में पल रहे हैं यह डाटा जमा करना है।

बहन के देवर से प्यार करने लगी थी प्रेमिका गुस्से में सिरफिरे आशिक ने गला काट कुएं में फेंका

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के रूधौली क्षेत्र में रोशनी हत्याकाण्ड का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि हसनी ग्राम मे 21 फरवरी की रात्रि को रोशनी नामक युवती की हत्या करके शव को कुयें में फेंक दिया गया था। आज हत्या के आरोपी रामकेश को गिरफ्तार कर लिया है। ये हत्या त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग के कारण हुआ था। पूंछतांछ मे गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया है कि वह रोशनी से प्रेम करता था मगर वह पिछले कुछ दिनों से अपनी बड़ी बहन के देवर से प्यार करने लगी थी एवं उससे फोन पर बात भी करती थी। वह मुझसे दूर होने का प्रयास कर रही थी तो उसने रोशनी की हत्या की योजना बनायी और मिलने के बहाने गांव के बाहर पोखरे के पास बुलाया। घर से अपने साथ लेकर आये सब्जी काटने वाले चाकू से युवती का गला काटकर हत्या कर दी।

बहन को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख भाई बौखलाया

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब बहन को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख भाई बौखला गया और दिन-दहाड़े उसने प्रेमी जोड़े को गोली मार दी। प्रेमिका के भाई द्वारा गोलीबारी की इस घटना में प्रेमिका की जहां मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रेमी गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेटी को बचाने गए पिता को भी आरोपी भाई ने गोली मारकर घायल कर दिया। घायल प्रेमी और उसके पिता को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक लड़की प्रियंका के भाई ने प्रेम-प्रसंग का विरोध किया था। मगर यह प्रेमी जोड़ा नहीं माना। घर में ही प्रेमी के पकड़े जाने पर प्रेमिका के भाई ने दोनों को गोली मार दी। इस गोलीकांड के बाद मौके पर पहुंचे एसपी ने अपनी टीम के साथ स्थिती का जायजा लिया और पुलिस ने आरोपी भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। दरअसल, मामला जलालाबाद थाना की एक ककहरा गांव का है, जहां सनोज और प्रीति के बीच कई महीनों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसका पता चलने पर प्रेमिका के पिता और भाई मुलायम ने इसका विरोध किया था। भाई मुलायम और पिता हाकिम ने अपनी बेटी को इज्जत का हवाला देते हुए बहुत समझाया था, मगर कोई असर नहीं हुआ। जब भाई मुलायम ने अपने घर पर अपनी बहन और प्रेमी सनोज को आपत्तिजनक हालत में देखा तो वह बौखला गया और उसने दोनों को गोली मार दी। गोली लगने से प्रीति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रेमी सरोज घायल हो गया। इस दौरान बेटी को बचाने आये प्रेमिका के पिता हकीम भी घायल हो गये। घायल सरोज और उसके पिता हाकिम को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां प्रेमी सनोज हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस अधीक्षक एस आनंद की टीम ने आरोपी भाई मुलायम को हिरासत में लिया।

मायावती ने अमित शाह को बताया महान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे फेज में मतदान के लिए बुधवार सुबह बूथ पर पहुंचीं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की है। अमित शाह की ओर बीएसपी को मजबूत बताए जाने के सवाल पर मायावती ने कहा कि यह उनकी महानता है कि उन्होंने सच्चाई स्वाकार की है। मायावती ने यह भी कहा कि सिर्फ दलितों और मुसलमानों के ही नहीं, बल्कि सभी वर्गों का वोट उनको पार्टी को मिल रहा है। मायावती ने कहा चौथे चरण का मतदान हो रहा है। मेरा मतदाताओं से अपील है कि यह लोकतंत्र का उत्सव है और वोट डालने के लिए जरूर निकलना चाहिए। अपना एक एक वोट जरूर डालना चाहिए। खासकर मैं कमजोर वर्ग के लोगों से कहना चाहती हूं कि परम पूज्य बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अथक प्रयासों से वोट डालने का अधिकार मिला है, इसलिए इसका इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। वैसे तो मेरी हर मतदाता से अपील है कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वोट जरूर डालना चाहिए।

चुनाव में 40 लाख से अधिक नहीं कर सकते खर्च प्रत्याशी

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के तहत जनपद मऊ में 7 मार्च को चुनाव होने है। प्रत्याशियो द्वारा चुनाव के दौरान खर्च किये जाने को लेकर मंगलवार को व्यय प्रेक्षक विशाल दशरथ जारोंडे की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों

10 हजार से अधिक का नहीं कर सकते नगद भुगतान

के प्रतिनिधियों तथा सभी विधानसभाओं में चुनाव लड़ रहे समस्त उम्मीदवारों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक संपन्न हुई। प्रेक्षक द्वारा समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बताया गया कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशी अधिकतम रू0 40 लाख की धनराशि ही खर्च कर सकते हैं। निर्वाचन व्यय रजिस्टर में किए खर्च की धनराशि का उल्लेख करना अनिवार्य है। व्यय रजिस्टर की जांच तीन तिथियों में जिसमें 23 फरवरी, 28 फरवरी 2022,

एवं 05 मार्च 2022 को किया जाएगा। जांच के दौरान उम्मीदवार या उम्मीदवार द्वारा नामित एजेंट की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने बताया कि परिणाम घोषणा की अवधी से 30 दिन के अंदर व्यय पुस्तिका को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदवारों के व्यक्तिगत खाता नहीं खुले हैं वे तत्काल खाता खुलवा ले जिसके माध्यम से निर्वाचन संबंधित सभी व्यय एवं भुगतान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार का खर्च व्यय रजिस्टर में अंकित किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी मद के लिए किसी व्यक्ति, फार्म या संस्था को प्रत्याशी द्वारा रुपये 10,000 से अधिक का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से ही किया जायेगा। निर्वाचन के दौरान सोशल/इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया पर प्रचार में हुए व्यय का उल्लेख भी व्यय रजिस्टर में अंकित किया जाना है। उन्होंने बताया कि किसी भी उम्मीदवार द्वारा रैली, सभा, रोड शो आदि बिना अपने संबंधित रिटर्निंग अफसर की अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा, यदि उम्मीदवार द्वारा नियम का उल्लंघन किया जाता है तो परमिट निरस्त कर दिया जाएगा एवं भारतीय दंड संहिता के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन संबंधित पंपलेट पोस्टर पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम व पता होना अनिवार्य है। प्रेक्षक महोदय ने बताया कि आयोग के निर्देश के क्रम में ऐसे उम्मीदवार जिनके विरुद्ध आपराधिक मामले हो, चाहे ऐसे मामले लंबित हो या विगत में दोषसिद्धि के मामले हो ऐसे उम्मीदवारों का कम से कम 3 बार उनका अखबार में प्रकाशन अवश्य कराना होगा। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अजय कुमार गौतम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भानु प्रताप सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी मनीष कुमार कुशवाहा, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर हर्षिता तिवारी, अपर संख्या अधिकारी रजनीश कुमार सिंह, समस्त रिटर्निंग ऑफिसर सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निपुण भारत मिशन के तहत ईसीसीई कार्यशाला का हुआ आयोजन

रतनपुरा, मऊ। बीआरसी कार्यालय रतनपुरा में निपुण भारत मिशन के तहत ईसीसीई कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को एसआरजी/एआरपी और ब्लॉक के केआरपी ने विद्यालयों में में नई शिक्षा नीति के तहत प्री प्राइमरी कक्षाओं के संचालन हेतु गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण दिया। खंड शिक्षा अधिकारी, रतनपुरा कमलेश कुमार मिश्र के सुझाव के अनुरूप सभी प्रशिक्षुओं ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्री.प्राइमरी कक्षाओं के संचालन में गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य करने, प्रिंट रिच मैटेरियल का प्रयोग करने और कथा/कहानी के माध्यम से रोचकता पूर्ण पढ़ाने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण में नई शिक्षा नीति- 2020 और बुनियादी शिक्षा पर आधारित निपुण भारत मिशन की भी चर्चा हुई। एस आर.जी.राकेश कन्नौजिया एआरपी उत्तम चंद और के.आर.पी.जीवन प्रकाश गोस्वामी ने प्रशिक्षण देने का कार्य किया।

ऋचा घोष ने जड़ा भारतीय महिला वनडे क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक

भारतीय टीम को नहीं दिला सकीं जीत, न्यूजीलैंड ने लगातार चौथे मैच में हराया

क्वींसटाउन(एजेंसी)। अमीलिया कर के हरफनमौला प्रदर्शन (68 रन, तीन विकेट और दो कैच) के दम पर न्यूजीलैंड की महिला टीम ने भारत को चौथे वनडे में मंगलवार को 63 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की बढ़त ले ली।

मैच में भले ही भारतीय टीम को हार मिली लेकिन ऋचा घोष भारतीय महिला वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। मैच में बारिश के कारण ओवरों की संख्या घटाकर 20 ओवर कर दी गई थी जिसमें मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 191 रन का मजबूत स्कोर बनाया। इसके जवाब में भारतीय टीम 17.5 ओवर में मात्र 128 रन पर सिमट गई। इस मैच में अमीलिया कर ने पहले 33 गेंदों में 68 रन बनाए और फिर तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम को एक बड़ी जीत दिला दी। उनके इस प्रदर्शन की वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला। न्यूजीलैंड की तरफ से अमीलिया कर ने 33 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा कप्तान सोफी डिवाइन ने 32, सूजी बेटस ने 41 और एमी सैटर्थवेट ने मात्र 16 गेंदों पर 32 रन बनाए। भारत के लिए रेणुका सिंह ने 33 रन पर दो विकेट लिए। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और उसने मात्र 19 रन तक अपने चार बल्लेबाज गंवा दिए।

इसके बाद कप्तान मिताली राज और ऋचा घोष ने पांचवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी की। मिताली ने 28 गेंदों पर 30 रन बनाये जबकि ऋचा ने 29 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रन की आक्रामक पारी खेली। भारत ने इस जोड़ी के टूटने के साथ ही अपने शेष छह विकेट 32 रन जोड़कर गंवा दिए और उसे सीरीज में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। अमीलिया कर ने 30 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि हेली जेंसेन को 32 रन पर तीन विकेट हासिल हुए।

15 पायदान की छलांग के साथ 54वें स्थान पर पहुंची ऋचा घोष

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में भारत की दीप्ति शर्मा दो पायदान के सुधार से 18वें स्थान पर पहुंच गयी जबकि हमवतन ऋचा घोष 15 पायदान की छलांग के साथ 54वें स्थान पर आ गयीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में अर्धशतक लगाने वाली भारतीय कप्तान मिताली राज ने रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है। तीसरे एकदिवसीय मैच में नाबाद 69 रन की पारी खेलने वाली दीप्ति बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान के सुधार के साथ 18 वें पायदान पर पहुंच गयी जबकि दूसरे एकदिवसीय मैच में उनके चार विकेटों ने उन्हें गेंदबाजों की सूची में छह स्थान की बढ़त के साथ 13 वें नंबर पर पहुंचा दिया। वह ऑलराउंडर खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर बरकरार है। युवा विकेटकीपर रिचा दूसरे एकदिवसीय में 65 रन की पारी बदौलत रैंकिंग में 15 स्थान के सुधार के साथ 54वें नंबर पर पहुंच गईं। स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पृथकवास में रहने के कारण शुरूआती तीन एकदिवसीय मैचों की टीम का हिस्सा नहीं रही लेकिन वह रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकार है।

ऋचा घोष ने 26 गेंदों पर जड़ा अर्धशतक, रुमेली धर का रिकॉर्ड तोड़ा

18 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 29 गेंद पर 52 रनों की पारी खेली। उन्होंने 26 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। 29 गेंद की अपनी पारी में ऋचा ने 4 चौके और 4 छक्के जड़े। 19 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद पिच पर बल्लेबाजी करने उतरी ऋचा ने पहली ही गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने अपनी पहली चार गेंद पर तीन चौके जड़े। उनसे पहले भारत के लिए महिला वनडे मैच में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड रुमेली धर के नाम था। 2008 में रुमेली ने श्रीलंका के खिलाफ 29 गेंदों पर फिफ्टी लगाई थी। वेदा कृष्णमूर्ति ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 32 गेंद पर अर्धशतक लगाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही इसी सीरीज के तीसरे मैच में एस मेघना ने 33 गेंद पर फिफ्टी लगाई थी। स्मृति मंधाना की वापसी की वजह से मेघना को चौथे मैच में मौका नहीं मिला।

पाक के खिलाफ सफेद गेंद सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

हेजलवुड, पैट कमिंस, डेविड वार्नर और ग्लेन मैक्सवेल को आराम

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सफेद गेंद सीरीज के लिए मंगलवार को 16 सदस्यीय टीम को घोषणा की। टेस्ट कप्तान पैट कमिंस सहित तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क के साथ-साथ डेविड वार्नर और ग्लेन मैक्सवेल को सफेद गेंद सीरीज से आराम दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से चार खिलाड़ी, जो अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी के प्रमुख सदस्य भी हैं, आईपीएल के पहले हफ्ते में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति के तहत केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को टीम का दौरा जारी रहने के वक्त अन्य टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति नहीं है, चाहे टीम का हिस्सा हों या नहीं। वह हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तुरंत बाद भारत की यात्रा कर सकते हैं और अपनी क्वारंटाइन आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं और छह अप्रैल से आईपीएल खेलने के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों और एकमात्र टी-20 मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टॉयनिस, जेसन बेहरेनडॉर्फ, सीन एबॉट और नाथन एलिस सहित आईपीएल के अन्य खिलाड़ी भी शामिल हैं। ऐसे में वह यात्रा और क्वारंटाइन आवश्यकताओं के कारण कम से कम एक और हफ्ते तक आइपीएल से चूकेंगे। इसके अलावा रिले मेरेडिथ और डैनियल सैम्स जैसे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, जिनका क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ किसी भी प्रकार अनुबंध नहीं है, राज्य के साथ अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद अपनी आईपीएल टीमों के साथ जुड़ने के लिए स्वतंत्र होंगे, जैसा कि टिम डेविड और नाथन कूल्टर-नाइल करेंगे, जो किसी भी राज्य के साथ अनुबंधित नहीं हैं। वहीं मैथ्यू वेड, जिन्हें गुजरात टाइटंस ने अनुबंधित किया है, को पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र टी-20 मैच के लिए नहीं चुना गया है। उनकी जगह जोश इंगलिस श्रीलंका के खिलाफ एक प्रभावशाली श्रृंखला के बाद विकेटकीपर की भूमिका संभालने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया पाकिस्तान के खिलाफ एक टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगा। रावलपिंडी में 29 मार्च, 31 मार्च और दो अप्रैल को तीन वनडे मैच और पांच अप्रैल को एकमात्र टी-20 मैच खेला जाएगा।

16 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम

आरोन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, बेन मैकडरमोट, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टॉयनिस, एडम जैम्पा।

बधिर क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

भोपाल। राजधानी के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड पर 23 से 27 फरवरी तक तीसरी जोन बधिर क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। डेफ इंटरनेशन क्रिकेट क्लब नई दिल्ली और भोपाल बधिर क्रिकेट संघ के तत्वावधान में होने वाली स्पर्धा में देश की बधिर टीम शामिल होगीं। टूर्नामेंट में बधिर समिति सेंटर जोन की टीम भी भाग ले रही है। जिसमें अभिषेक यिारन, सुमित बिडवाल, वैभव पराजपे, सौरभ चतुर्वेदी कप्तान, अब्दुल समद, शैलेन्द्र गावड, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, रवि यादव, आकाश सैनी, प्रतीक, अभिनव, चंद किशार साहू शामिल हैं।

स्ट्रैंड्जा मुक्केबाजी टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची नीतू व अनामिका

नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाज नीतू (48 किग्रा) और अनामिका (50 किग्रा) ने पहले राउंड में प्रभावशाली जीत दर्ज करके बुल्गारिया के सोफिया में चल रहे 73वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। नीतू ने रूस की चुमगलकोवा यूलिया को 5-0 से जबकि अनामिका ने स्थानीय खिलाड़ी चुकानोवा जलातिस्लावा को 4-1 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। नीतू का मुकाबला अब इटली की रोबर्टा बोनाटी से और अनामिका का अल्जीरिया की रौमेसा बौआलेम से होगा। शिक्षा (54 किग्रा) और आकाश (67 किग्रा) हालांकि अपने-अपने मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। शिक्षा कजाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन और मौजूदा एशियाई स्वर्ण पदक विजेता दीना झोलामन से हार गयी। आकाश को जर्मनी के डेनियल क्रोटर ने हराया। दोनों को समान 0-5 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (71 किग्रा) और राष्ट्रीय चैंपियन रोहित मोर (57 किग्रा) छह अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

युवराज सिंह ने विराट कोहली को बताया शानदार लीडर

कहा, आप एक लीजेंड हैं, जिसने नई पीढ़ी का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने मंगलवार को पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की तारीफ करते हुए उन्हें महान कप्तान और शानदार लीडर बताया।

युवराज ने कोहली को लिखे एक पत्र में कहा, विराट, मैंने आपको एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में विकसित होते देखा है। नेट्स में उस युवा लड़के, जो भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता था। अब आप खुद एक लीजेंड हैं, जिसने नई पीढ़ी का नेतृत्व किया। 2011 विश्व कप विजेता स्टार युवराज ने कोहली के समर्पण और अनुशासन के लिए उनकी सराहना की और कहा कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, नेट में आपका अनुशासन, मैदान पर जुनून और खेल के प्रति समर्पण इस देश के हर बच्चे को बल्ला उठाने और एक दिन नीली जर्सी पहनने का सपना देखने के लिए प्रेरित करता है।आपने हर साल अपने क्रिकेट के स्तर को ऊंचा किया है और इस अद्भुत खेल में पहले ही बहुत कुछ हासिल कर लिया है। आप एक महान कप्तान

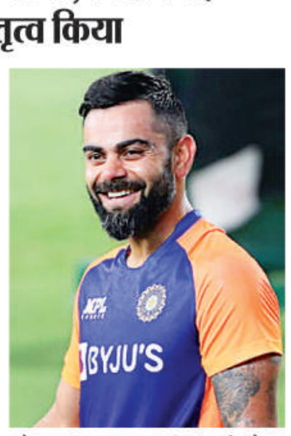

और एक शानदार लीडर रहे हैं।उ टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज का अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड रखने वाले युवराज ने कोहली के साथ बिताए वक्त को बयां किया। स्पोर्ट्स ब्रांड प्यूमा के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले युवराज ने भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक कोहली को प्यूमा के गोल्डन बूट्स उपहार में दिए। युवराज ने कहा, देश को गौरवान्वित करते रहो। युवराज ने अंत में लिखा, मेरे लिए तू हमेशा चीकू ही रहेगा और दुनिया के लिए किंग कोहली। अपने भीतर आग हमेशा जलती रहने देना। तुम एक सुपरस्टार हो। मैं उम्मीद करता हूं कि रनों का पीछा करते हुए, जिसके लिए तुम मशहूर हो, शानदार पारियां खेलो।

ऑस्ट्रेलियन ओपन मामले के बाद जोकोविच ने जीत से की वापसी

दुबई टेनिस चैंपियनशिप में लॉरेंजो मुसेटी को हराया

दुबई। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग नहीं ले पाने वाले नोवाक जोकोविच ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप में लॉरेंजो मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराकर साल 2022 में अपना पहला मैच जीता।

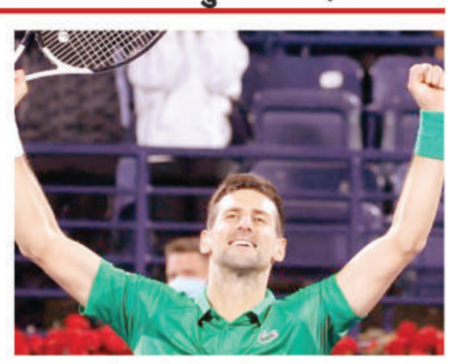

जोकोविच पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए थे। उन्हें कोविड की वैक्सीन नहीं लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट कर दिया गया था। युनाइटेड अरब अमीरात ने उन्हें अपने यहां आने की अनुमति दी और जोकोविच ने इस टूर्नामेंट से साल 2022 की शुरुआत की जिसमें उन्होंने पांच बार जीत हासिल की है। पिछले साल फ्रेंच ओपन में मुसेटी ने जोकोविच से दो सेट जीते थे, लेकिन इटली का यह खिलाड़ी यहां ब्रेक पॉइंट हासिल करने के कई मौकों को नहीं भुना पाया। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मैं अपने खेल से संतुष्ट हूं खासकर तब जबकि मैं पिछले ढाई-तीन महीने से नहीं खेल पाया हूं। उनका अगला मुकाबला कारेन खाचनोव और अलेक्स डि मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इस बीच एंडी मरे ने 2017 के बाद दुबई में अपना पहला मैच जीता। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के क्वॉलीफायर क्रिस्टोफर ओ कोनेल को 6-7 (4), 6-3, 7-5 से हराया। यह मैच लगभग तीन घंटे तक चला।

मध्य प्रदेश की ब्लाइंड विमेन क्रिकेट टीम घोषित

भोपाल। राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश की पहली ब्लाइंड विमेन क्रिकेट टीम के चयन सूची की घोषणा की गई। आगामी 28 फरवरी से बेंगलुरु में ब्लाइंड विमेन क्रिकेट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लगभग 14 –15 टीमों के शामिल होने की संभावना है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने मध्य प्रदेश की पहली ब्लाइंड विमेन क्रिकेट टीम की घोषणा की जिसमें निकिता कनारे को टीम का कप्तान बनाया गया है, वहीं रवीना यादव को टीम का उप कप्तान घोषित किया गया। टीमः निकिता (कप्तान), रवीना (उप कप्तान), सुषमा, दीपशिखा, भूरी, गीता, अंजलि यादव, अंजलि रावत, बर्षा, प्रिया, कोमल, सपना, सरिता, विशाखा।

साहा ने कहा, पत्रकार का नाम नहीं बताऊंगा

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर किये गए अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने कहा है कि वह उस पत्रकार का नाम कतई उजागर नहीं करेंगे जिसने उनके खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाते हुए ट्वीट किये थे। इससे पहले बीसीसीआई विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा से शनिवार को उनके द्वारा पोस्ट किए गए एक ट्वीट की व्याख्या करने के लिए कहेगा, जिसमें आरोप लगाया गया था कि साहा के एक साक्षात्कार के अनुरोध का जवाब नहीं देने के बाद एक पत्रकार ने उनके साथ आक्रामक लहजा अपनाया था। साहा ने शनिवार को ट्विटर पर व्हाट्सएप मैसेज का एक स्क्रीनशॉट प्रकाशित किया था, जो एक सम्मानित पत्रकार ने उन्हें भेजा था। लेकिन साहा ने कहा, मुझे दु:ख पहुंचा। मैंने सोचा कि इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और मैं नहीं चाहता कि कोई अन्य इस तरह के वाक्ये से गुजरे। इसलिए मैंने फैसला किया कि इस बातचीत को सार्वजानिक किया जाए लेकिन मैं उस पत्रकार का नाम नहीं बताऊंगा। साहा ने ट्वीट में कहा, मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं किसी का करियर समाप्त करने जैसे नुकसान के बारे में नहीं सोच सकता। उसके परिवार को देखते हुए मानवता आधार पर मैं फिलहाल उसका नाम नहीं बताऊंगा लेकिन यदि ऐसी घटना दुबारा होती है तो मैं चुप नहीं रहूंगा।

मंधाना व रॉड्रिग्स को द हंड्रेड के लिए बरकरार रखा

लंदन। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को द हंड्रेड के दूसरे संस्करण के लिए बरकरार रखा गया है। मंधाना जहां सदर्न ब्रेव के लिए खेली, वहीं रॉड्रिक्स 2021 में इंग्लैंड के 100 गेंदों के खेल के उद्घाटन संस्करण में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेलती नजर आई थी। वहीं,हरमनप्रीत कौर, शैफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा, जिन्होंने पिछले साल प्रतियोगिता में भाग लिया था, मंगलवार को सामने आई पहली खिलाड़ियों की सूची से नदारद रहीं। पुरुषों और महिलाओं की टीमें 30 मार्च को द हंड्रेड ड्राफ्ट में अपने शेष स्लॉट भर देंगी। महिला टीमों को ओपन मार्केट साइनिंग प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया जाएगा, जो जून के अंत में समाप्त होगी।पहली बार, पुरुष और महिला दोनों जून में एक विदेशी वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट में अपने स्क्वाड के लिए एक अतिरिक्त चौथे विदेशी खिलाड़ी का चयन करेंगी।

प्रो लीग के लिए भारतीय टीम घोषित, सुखजीत नया चेहरा

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया ने 26 और 27 फरवरी को भुवनेश्वर में स्पेन के खिलाफ होने वाले एफआईएच पुरुष प्रो लीग मैचों के लिए मंगलवार को 20 सदस्यीय टीम का ऐलान किया।

टीम का नेतृत्व मिडफील्डर मनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि हरमनप्रीत सिंह उपकप्तान होंगे। टीम में सुखजीत सिंह नया चेहरा होंगे। इस मौके पर मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, हमने स्पेन के खिलाफ खेलने के लिए एक संतुलित समूह चुना है। इसमें स्ट्राइकर सुखजीत सिंह को शामिल किया गया है, जो एक नया चेहरा हैं। उन्होंने पिछले महीने कैंप के दौरान प्रभावित किया था और चयन के बाद से कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर: पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा **डिफेंडर**: हरमनप्रीत सिंह (उपकप्तान), मनदीप मोर, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की **मिडफील्डर**: मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर, नीलकांत शर्मा, आकाशदीप सिंह **फॉरवर्ड**: मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा, सुखजीत सिंह, अभिषेक **स्टैंडबाय**: कृष्ण बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, राजकुमार पाल, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह।

बीसीसीआई ऋद्धिमान से उनके ट्वीट के बारे में पूछेगा कि क्या उन्हें धमकाया गया था: धूमल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा से उनके ट्वीट के संदर्भ के बारे में पूछेगा जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक पत्रकार ने उन्हें साक्षात्कार देने के लिए सहमत नहीं होने पर धमकी दी थी। भारतीय टेस्ट टीम से हाल ही में बाहर किये गये साहा ने ट्विटर पर आरोप लगाया था कि एक सम्मानित पत्रकार ने उन्हें साक्षात्कार देने से इनकार करने के बाद आक्रामक रूख अपनाया था। इस ट्वीट के बाद, पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह जैसे पूर्व सितारों ने साहा का समर्थन करते हुए उनसे पत्रकार का नाम उजागर करने को कहा। बीसीसीई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने सोमवार को पीटीआई-से कहा, जी हां, हम ऋद्धिमान से उनके ट्वीट के बारे में पूछेंगे और जानेंगे की असल क्या घटना हुई है। हमें यह जानने की जरूरत है कि क्या उन्हें धमकी दी गई थी और उनके ट्वीट की पृष्ठभूमि तथा संदर्भ क्या था। मैं और कुछ नहीं कह सकता। हमारे सचिव (जय शाह) ऋद्धिमान से जरूर बात करेंगे। साहा को हाल में भारतीय टीम की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने मीडिया से कहा कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद द्रविड़ ने उन्हें आपसी बातचीत में संन्यास लेने पर विचार करने की सलाह दी थी। द्रविड़ ने कहा कि साहा से बात करने के पीछे उनका इरादा यह सुनिश्चित करना था कि उन्हें यह स्पष्ट तौर पर पता हो कि टीम में उनकी स्थिति क्या है और उन्हें इसका पछतावा नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम ने शुरू की तैयारी

इकाना स्टेडियम में टीम ने पहले प्रैक्टिस सेशन में लिया हिस्सा

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में मंगलवार को चार घंटे तक कड़ा अभ्यास किया। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों के अभ्यास पर नजदीकी नजर रखी।

भारत को इस मैदान पर श्रीलंका से 24 फरवरी को पहला टी 20 मैच खेलना है। भारतीय खिलाड़ियों ने दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक धूप के बीच चार घंटे तक लगातार अभ्यास किया। इस दौरान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने सबसे ज्यादा देर तक प्रैक्टिस की। रोहित को जसप्रीत बुमराह और युजवेंद्र चहल ने नेट प्रैक्टिस कराई। 24 फरवरी को होने वाले मैच के लिए दोनों ही टीम लखनऊ पहुंच चुकी है। श्रीलंका टीम जहां पहले दिन दुधिया रोशनी में प्रैक्टिस करेगी। वहीं टीम इंडिया दूसरे दिन 23 फरवरी को दूधिया रोशनी में अभ्यास करेगी, जबकि श्रीलंका की टीम दोपहर एक से शाम पांच बजे तक मैच प्रैक्टिस करेगी। अभ्यास के दौरान ईशान किशन और रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा छक्के लगाए। बीसीसीआई के पिच सलाहकार तपोस चटर्जी भी लखनऊ पहुंच गए है। उन्होंने करीब 6 घंटे तक तैयार पिच का मुआयना किया। इकाना में कुल नौ पिच है। इसमें तीन को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। इसमें दो पिच काली और एक लाल है। जानकारों का कहना है कि मैच काली मिट्टी वाली पिच पर होगा। काली मिट्टी पिच लाल मिट्टी से ज्यादा तेज होगी। ऐसे में बल्लेबाज के अलावा गेंदबाजों को भी फायदा मिलेगा। हालांकि तेज विकेट होने से रन भी ज्यादा बनते हैं।

टीम से जुड़े बुमराह और जडेजा

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा टीम इंडिया से जुड़ गए हैं। बुमराह को दक्षिण अफ्रीकी दौरे के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से आराम दिया गया था, जबकि जडेजा चोट से उबरने के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। रविंद्र जडेजा ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच नवंबर 2021 में खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच खेलने के बाद से जडेजा टीम से बाहर चल रहे हैं। जडेजा ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2021 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ खेला था, इसके बाद न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज के खिलाफ वह टी20 सीरीज नहीं खेल पाए थे। जडेजा की वापसी से टीम इंडिया को मजबूती मिलेगी।

दीपक चाहर टी20 सीरीज से बाहर

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण तेज गेंदबाज दीपक चाहर आगामी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दीपक को वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टी20 में यह चोट लगी थी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, वह श्रृंखला से बाहर हो गया है और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा करेगा। अधिकारी ने इसी के साथ यह भी बताया की टीम ने दीपक चाहर के रिप्लेसमेंट के रूप में किसी अन्य खिलाड़ी की मांग नहीं की है।

शिक्षकों ने बाइक जुलूस निकालकर मतदान हेतु किया प्रेरित

बीएसए डॉ गोरखनाथ पटेल के निर्देशन में हुआ कार्यक्रम

प्रखर जौनपुर । अंतिम चरण में 7 मार्च को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिये बुधवार को परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों ने मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर कर मतदाताओं को जागरूक किया। बताया कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान कितना जरूरी है। ब्लाक संसाधन केंद्र पर मोटरसाइकिलो के साथ शिक्षको का हुजूम उमड़ने लगा। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार यादव ने झंडी दिखाकर बाइक जुलूस को रवाना करते हुए खुद प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह के साथ मोटरसाइकिल लेकर रैली में शामिल हुये। इस दौरान शिक्षकों का हुजूम मतदान संबंधित नारे लगाते हुए जिस बाजार से गुजर रहा था, लोगों की भीड़ देखने के लिए उमड़ पड़ रही थी। रैली सिकरारा बाजार, गोसाईगंज बाजार, लालाबाजार, गुदरीगंज, फतेहगंज, पकड़ी ब्लाक होते हुए कम्पोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद पहुंचे। वहां छात्राओं द्वारा मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए आकर्षक रंगोली बनाई गई थी।

जिसका लोगो ने अवलोकन किया। बाद में जुलूस बैठक में परिवर्तित हो गया। शिक्षको को सम्बोधित करते हुए बीईओ राजीव यादव ने कहा कि भारत जैसे लोकतंत्र में चुनाव महापर्व है। इसमें हर एक मतदाताओं को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस महापर्व को सफल बनाने के लिए आगे आना चाहिए। न केवल खुद मतदान करें बल्कि औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। जब तक अधिक से अधिक लोग मतदान नहीं करेंगे, तब तक मजबूत लोकतंत्र की परिकल्पना संभव नहीं है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक प्रत्येक गांव से जुड़े है इसलिए हमलोग मतदाता जागरूकता अभियान से पूरी तरह से जुड़कर अधिक से अधिक लोंगो को 7 मार्च को मतदान के लिए प्रेरित करना है। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील सिंह ने भी अबकी बार 70% पार का नारा दिया। संचालन देशबंधु यादव व आभार प्रधानाध्यापक सुनील सिंह ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, राजीव सिंह लोहिया, सतीश सिंह, डा. विजय बहादुर सिंह, शैलेष चतुर्वेदी, संदीप सिंह, धीरेंद्र यादव, अकील रहमान, राकेश सिंह, सन्तोष सिंह, रवि मिश्रा, चन्दन सिंह, आलोक सिंह, सुरेन्द्र प्रजापति, राजीव उपाध्याय, आनन्द सिंह देव, शैलेष सिंह देव, रामचन्द्र यादव, आनन्द सिंह, सीमा उपाध्याय सहित भारी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

गोलीकांड का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम असलपुर भैंसही नदी पुल के पास से मंगलवार की रात को लगभग सवा एक बजे थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने 25 हजार के इनामी अपराधी राकेश यादव पुत्र मुन्ना यादव ग्राम अवस्था इब्राहिमचक मठिया थाना चिरैयाकोट जनपद-मऊ को हिरासत में ले लिया। जो 21 जनवरी के गोलीकांड में शामिल था। उसके पास से 32 बोर की एक पिस्टल,दो मैगजीन तथा 7 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जनवरी को शाम को लगभग चार बजे नन्दू यादव की दुकान पर सर्वेश यादव पुत्र स्वरू सुरेश यादव निवासी ग्राम बस्ती चक थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ को जान मारने की नीयत से राकेश यादव, सोनू यादव,व अमरजीत यादव ने मारा था। जिसके संबंध में पीडित की तहरीर पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार करने वाली टीम में सरसेना प्रभारी गंगासागर मिश्रा, एसटीएफ एसआई पवन कुमार सिंह, कांस्टेबल गोकर्ण यादव, चालक ओमप्रकाश राय शामिल रहे है।

शराब दुकान के लाइसेंसी समेत पांच पर हत्या का मुकदमा

आजमगढ़। जहरीली शराब से हुई मौत के मामले में पुलिस ने शराब ठेकेदार रंगेश यादव समेत पांच के खिलाफ हत्या समेत पांच गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने यह कार्रवाई शराब पीने से मृत झब्बू सोनकर के पुत्र विजय सोनकर की ओर से दी गई नामजद तहरीर के आधार पर की है। उसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने आनन-फानन शराब दुकान के लाइसेंसी समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रंगेश के राजनीति रिश्तों को भी तलाशने में जुट गई है। अहरौला थाना क्षेत्र के ग्राम माहुल की खटिकाना बस्ती निवासी विजय सोनकर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि मेरे पिता झब्बू सोनकर 20 फरवरी को रंगेश यादव निवासी अहरौला के ठेके से शराब खरीदकर लाए थे।

फर्जी ट्रायल रिपोर्ट के सहारे बीएचयू में पैसा बनाने का खेल

पादप रोग विज्ञान विभाग का मामला, प्रो रमेश चंद पर बिना भूमि आवंटित कराए फर्जी रिपोर्ट देने का आरोप

प्रखर वाराणसी। प्रोफेसर रमेश चंद निदेशक कृषि विज्ञान संस्थान पैसा बनाने के लिए किसान के खेत पर शोध कार्य की झूठी रिपोर्ट देने का कार्य करते हैं। सूचना के अधिकार के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्त सूचना से हुआ बड़ा खुलासा, फील्ड पर ट्रायल न करके कागज को ही फील्ड ट्रायल का फर्जी रिपोर्ट भेजा गया। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार

प्रोफेसर रमेश चंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग कृषि विज्ञान संस्थान में करोड़ों रुपए का प्रोजेक्ट चलाते हैं। इस संदर्भ में सूचना कानून 2005 के तहत जानकारी मांगा गया था और साथ ही फार्म इंचार्ज से भी सूचना मांगी गयी थी। उनके द्वारा बताया गया कि प्रोफेसर रमेश चंद कोई भी भूमि फार्म पर आवंटन नहीं कराए हैं । जब रमेश चंद को पता चला कि उनके फर्जी प्रोजेक्ट चलाने का भंडा फूट गया है, तो उन्होंने अपनी सूचना के उत्तर में बताया कि हमारे सभी प्रोजेक्ट बाहर चला रहे हैं । इस पर जब यह पूछा गया कि बाहर किस स्थान पर ट्रायल चला रहे हैं, तो उन्होने बताया कि किसान के खेत पर और अपने और किसान के बीच सहमति पत्र के हलफनामा की छाया प्रति दिए और बताया कि हमारा सारा शोध कार्य किसान के खेत पर होता है । उक्त हलफनामा पर कहीं भी दिनांक अंकित नहीं था। इसी से इनके षड्यंत्र का खुलासा हुआ था। आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा तत्कालीन कुलपति प्रो. राकेश भटनागर से शिकायत किया गया और रसायन उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी पत्र लिखकर जांच करने का निवेदन किया था । इसी दौर में प्रोफेसर रमेश चंद कृषि विज्ञान संस्थान के निर्देशक पद पर नियुक्त हो गए और अपने प्रभाव से कोई जांच नहीं होने दिए तथा झूठी आख्या रिपोर्ट भेजकर उक्त जांच को दबा दिये। इस संबंध में संयुक्त निदेशक, रसायन वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय फरीदाबाद से कई बार सूचना मांगा गया, परंतु संभवतः प्रोफेसर रमेश चंद कमीशन का लेनदेन करते थे। इसी कारण वह कोई सूचना नहीं देने देते थे । फिर मैंने कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से सूचना मांगा उन्होंने उक्त सूचना देने का निर्देश संयुक्त निदेशक रसायन और जन सूचना अधिकारी को दिए । इस पर जन सूचना अधिकारी/ संयुक्त निर्देशक डॉ बंदना सेठ ने दिनांक 20/01/022 के पत्र द्वारा सूचना का उत्तर भेजा। इनका पत्र मुझे दिनांक 19/02 /20 22 को प्राप्त हुआ है । उन्होंने सूचना में बताया कि कीटनाशक का ट्रायल किसान के खेत पर नहीं किया जा सकता । इसलिए वैज्ञानिक द्वारा हलफनामा के अंतर्गत अनुमति लेना या नहीं लेना यह प्रश्न ही उपस्थित नहीं होता है । इससे यह बात स्पष्ट हो गई है कि प्रोफेसर रमेश चंद किसान के खेत पर जो शोध कार्य होने की बात बता रहे थे वह झूठी और फर्जी थी । रमेश चंद केवल भ्रष्टाचार करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों का प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय के नाम पर लाकर बिना शोध कार्य किए केवल कागज पर फर्जी रिपोर्ट बनाकर भेज कर पैसे का गबन करने के नियत से प्रोजेक्ट चलाते रहे हैं। यही नहीं इसका दुष्प्रभाव यह है कि ऐसे ही फर्जी शोध कार्य को सही मानकर बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने केमिकल को मार्केट में भेजती हैं, जो किसान अपने खेत पर प्रयोग करता है तथा उसका असर खाद्य अनाज पर पड़ रहा है । इनके फर्जी कार्य के कमीशन खोरी के चक्कर में आम जनता भोजन के साथ जहर खा रही है और तमाम रोग से ग्रसित हो रही है । इसका तत्काल जांच किया जाए तथा जिन कंपनियों के पक्ष में रिपोर्ट भेजे हैं। उनको तत्काल अवगत कराया जाए प्रोफेसर रमेश चंद की तरह कृषि विज्ञान संस्थान में प्राइवेट कंपनियों के शोध कार्य 50% वैज्ञानिक कर रहे कर रहे हैं। कोई भी फील्ड ट्रायल न करके सभी केवल कागज पर पैसा के लिए फर्जी रिपोर्ट बनाकर भेज रहे हैं, जिसका दुष्प्रभाव आम जनता के खाद्य पदार्थ तथा स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ऐसे कार्य को तत्काल रोका जाए । जो लोग बिना फार्म से जमीन लिए फर्जी प्रोजेक्ट लाकर फर्जी रिपोर्ट कागज पर बनाकर भेजे हैं उनके ऊपर कारवाई किया जाए।

मंत्र एप पर संस्थागत प्रसव का ब्योरा अपलोड करने में तरयासुजान पीएचसी अव्वल

प्रखर कुशीनगर। माँ एवं नवजात ट्रैकिंग (मंत्र) एप पर संस्थागत प्रसव का ब्योरा अपलोड करने में तरयासुजान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सबसे आगे है। 22 फरवरी तक तरयासुजान ने सबसे अधिक 214 लाभार्थियों का ब्योरा अपलोड किया है, सुकरौली अस्पताल दूसरे नंबर पर है।

प्रदेश में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर में कमी लाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राजकीय चिकित्सा स्वास्थ्य इकाइयों पर होने वाले प्रसव तथा संदर्भन संबंधी सेवाओं को सुद्दढ़ बनाने के लिए सूचनाओं के डिजिटाइजेशन के उद्देश्य से माँ एवं नवजात ट्रैकिंग एप (मंत्र एप) विकसित किया गया है। जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता डॉ.रितेश तिवारी ने बताया कि मंत्र एप पर विभिन्न प्रसव केन्द्रों ने बीते माह से ब्योरा अपलोड करने का काम भी शुरू कर दिया है। इस एप पर अब तक हुई फीडिंग के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तरयासुजान सबसे आगे है। तरयासुजान ने पहली जनवरी से 22 फरवरी तक 214 प्रसव लाभार्थियों का ब्योरा फीड किया है, जबकि 150 प्रसव लाभार्थियों का ब्योरा दर्ज कर सुकरौली अस्पताल दूसरे स्थान पर है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में जिला अस्पताल सहित कुल 174 प्रसव केन्द्र हैं। इन सभी केन्द्रों को इस एप से जोड़ कर डिजिटल बनाये जाने का प्रयास है। सभी प्रसव केन्द्रों के संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है। उन्होंने कहा है कि सभी लोग प्रत्येक प्रसव का विवरण एप पर फीड करें । इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

समित संसाधनों में बेहतर का काम करने का हो रहा प्रयास-डॉ.अमित- मंत्र एप पर सबसे अधिक प्रसव लाभार्थियों का ब्योरा दर्ज कराने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तरयास-ुजान के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ.अमित राय ने कहा कि सीमित संसाधनों में बेहतर कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी एक ही स्टाफ नर्स से फीडिंग का काम कराया जा रहा है। उक्त के माध्यम से सभी एएनएम को जल्द ही प्रशिक्षण दिला कर और बेहतर प्रयास किया जाएगा।

मंत्र एप से लाभ: जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता डॉ रितेश तिवारी ने कहा- मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मंत्र एप लांच किया गया है। इस एप पर प्रसव का आनलाइन ब्योरा दर्ज करने, उच्च जोखिम वाली गर्भवती (एचआरपी) की जांच के साथ ही समय पर उपचार करने एवं संदर्भन की भी व्यवस्था है। इस एप के माध्यम से माँ और नवजात शिशु के स्वास्थ्य जांच संबंधी सभी जानकारियां सभी जगह मिल जायेगी।

मेडिकल कालेज में कोरोना संक्रमित वृद्धा की मौत

चक्रपानपुर (आजमगढ़)। राजकीय मेडिकल कालेज व सुपर फैसिलिटी अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित 85 वर्षीय वृद्धा की सोमवार की शाम सात बजे मौत हो गई। इसके साथ ही कोरोना की तीसरी लहर में मरने वालों की संख्या 12 पहुंच गई। सहायक चिकित्सा अधीक्षक नियाज हसन ने बताया कि देवगांव निवासी वृद्धा को 19 फरवरी की शाम साढ़े तीन बजे गंभीर अवस्था में होल्डिग एरिया में भर्ती किया गया था। एंटीजन जांच में कोरोना संक्रमित पाए जाने पर उन्हें आइसीयू में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान मौत हो गई। इस प्रकार राजकीय मेडिकल कालेज में अब तक कोरोना से 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें चार पुरुष प आठ महिलाएं हैं। मरने वालों में सात आजमगढ़, चार मऊ तथा एक गाजीपुर के निवासी हैं।

तीन और की मौत, शराब ठेकेदार रंगेश गिरफ्तार

आजमगढ़। ठेके की शराब पीने से मरने वालों की संख्या तीन और बढ़ गई है। एक की जिला अस्पताल में सोमवार की देर रात तो दो अन्य की अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में मौत हुई है। इस तरह मरने वालों की संख्या छह होने से इलाके में दहशत है। 39 लोगों का अब भी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहरीली शराब का इलाके में कहर बरपने से चहुंओर कोहराम मचा हुआ है। चुनाव से पूर्व एक बार फिर शराब तस्करों के मौत का खेल खेलने से लोगों में नाराजगी है। उधर पुलिस शराब ठेके के लाइसेंसधारी रंगेश यादव को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ में जुटी है। अहरौला थाना क्षेत्र के माहुल कस्बा स्थित देसी शराब के ठेके से रविवार की शाम शराब खरीकर पीने के बाद दर्जनों लोग बीमार पड़ गए थे, जिसमें तीन लोगों की मौत भी हो गई थी। 41 लोगों को पहले अहरौला स्वास्थ्य केंद्र फिर मंडलीय जिला अस्पताल में लाया गया। जिला अस्पताल में भर्ती अहरौला थाना क्षेत्र के ग्राम रजवपुर निवासी मुनिराम की सांसें थम गईं, उसकी डायलसिस चल रही थी। दो अन्य मरने वालों में एक का नाम शमीम माहुल और दूसरा लालजी नाटी गांव का बताया जा रहा है। जिला अस्पताल में अब भी भर्ती 39 लोगों में 15 की हालत ज्यादा खराब है। उनकी आंखों की रोशनी कम पड़ती जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. अनूप कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शराब का ज्यादा सेवन करने से ऐसा होता है। शराब पीने वालों को सोमवार देर रात बेचैनी, उल्टी-दस्त के बाद आंखों से कम दिखने के साथ उल्टी-दस्त होने पर जहरीली शराब पीने की बात सामने आई थी। स्वजन बीमारों को लेकर अस्पताल भागे, लेकिन झब्बू सोनकर (52) निवासी कस्बा माहुल, रामकरन (62) व रामप्रीत निवासी दखिनगांवां, फूलपुर की मौत हो गई। इलाकाई लोग अभी भी नौ लोगों के मरने की बात कह रहे हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई प्रमाण नहीं होने से प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया है। उधर, रात में दबिश के दौरान शराब दुकान का लाइसेंसी रंगेश यादव गिरफ्तार कर लिया गया है।

सी-विजिल एप से करें निर्वाचन संबन्धी शिकायत, 100 मिनट में होगा निस्तारण - डी०ई०ओ०

प्रखर संत कबीर नगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल ने बताया है कि वर्तमान में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराने एवं निर्वाचन सम्बन्धी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए नए सी-विजिल (नागरिक सतर्कता) ऐप का प्रयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि सी-विजिल, (नागरिक सतर्कता) नागरिकों के लिए निर्वाचनों के दौरान आदर्श आचार संहिता और व्यय के उल्लंघन की रिपोर्ट करने हेतु एक नया मोबाइल ऐप है। उन्होंने बताया कि सी-विजिल का आशय नागरिक सतर्कता से है और इसमें नागरिकों द्वारा निर्वाचनों के स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष संचालन के लिए परस्पर सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका निभाने पर बल दिया गया है।उन्होंने जनसामान्य को सी-विजिल एप के बारे में बताते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन की रिपोर्ट में देरी के परिणाम स्वरूप अक्सर अपराधी निर्वाचन आयोग के उड़नदस्तों की नजर से बच निकलते हैं। इसके अतिरिक्त, भौगोलिक स्थिति विवरणों की सहायता से घटना स्थल की तुरंत और सही ढंग से पहचान करने के लिए ठोस प्रतिक्रिया प्रणाली के रूप में सी-विजिल का उपयोग किया जा रहा है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सी-विजिल एप पर की गई शिकायत को मात्र 100 मिनट में निस्तारित करना होता है। इसलिए निर्वाचन से सम्बन्धित शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सी-विजिल एप का अधिकाधिक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से सी-विजिल एप डाउनलोड कर सकता है। सी-विजिल उपयोगकर्ता अनुकूल और आसानी से संचालित किया जाने वाला एक एंड्रॉयड एप्लिकेशन है। इस ऐप की एक विशेषता यह है कि यह उड़नदस्तों को समयबद्ध तरीके से कार्य करने

के लिए डिजिटल साक्ष्य सुनिश्चित करने हेतु ऐप के भीतर से ऑटो लोकेशन कैप्चर के साथ जीवंत फोटो, वीडियो लेने देता है। उन्होंने बताया कि इस ऐप को कैमरा, अच्छे इन्टरनेट कनेक्शन और जीपीएस एक्सेस वाले किसी भी एंड्रॉइड स्मार्टफोन पर इंस्टॉल किया जा सकता है। इस ऐप को प्रयोग करते हुए नागरिक राजनीतिक कदाचार की घटनाओं के घटने के कुछ ही मिनटों में उनकी तत्काल रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसके लिए रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में तत्काल जाने की जरूरत नहीं होती। सी-विजिल, सतर्क नागरिकों को जिला नियन्त्रण कक्ष, रिटर्निंग अधिकारी और फील्ड यूनिट (उड़न दस्तों), स्टेटिक निगरानी दलों के साथ जोड़ता है, जिससे एक तीव्र और सटीक रिपोर्टिंग, कार्रवाई और निगरानी होती है।उन्होंने बताया कि सी-विजिल एप के माध्यम से शिकायत के लिए शिकायतकर्ता को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों का संक्षेप में विवरण करते हुए एक फोटो खींचें या 2 मिनट का एक वीडियो बनाए तथा शिकायत दर्ज करने से पहले उसका संक्षेप में उल्लेख करना होगा। शिकायत के साथ संलग्न जीआईएस सूचना स्वतः संबंधित जिला नियन्त्रण कक्ष तक पहुँच जाती है, जिसके फलस्वरूप उड़नदस्ता कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच जाएगा। उड़नदस्ते द्वारा शिकायत स्थल पर पहुंच कर 30 मिनट के अन्दर निस्तारण कर रिपोर्ट रिटर्निंग आफीसर को देनी होगी तथा रिटर्निंग आफिसर द्वारा 50 मिनट के अन्दर निस्तारण कर निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट भेजनी होती है यानी कुल 100 मिनट में शिकायत का निस्तारण सुनिश्चित कराया जाता है।सी-विजिल एप की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि सी-विजिल एप्लिकेशन केवल उन्हीं राज्यों की भौगोलिक सीमा के भीतर काम करेगा जहां निर्वाचन चल रहे हैं। सी-विजिल उपयोगकर्ता को फोटो खींचने या वीडियो बनाने के बाद किसी घटना की रिपोर्ट करने के लिए 5 मिनट का समय मिलेगा। यह ऐप पहले से रिकॉर्ड की गई इमेज, वीडियो को अपलोड करने की अनुमति नहीं देगा, न ही यह उपयोगकर्ता को सीधे फोन गैलरी में इस ऐप के द्वारा खींची गई फोटो, वीडियो को सुरक्षित रखने की अनुमति देगा। सिस्टम के दुरुपयोग को रोकने और एक ही स्थान से एक ही तरह की शिकायतों से बचने के लिए सिस्टम एक ही व्यक्ति द्वारा अगली शिकायत के बीच 5 मिनट का अन्तराल रखता है।

संक्षिप्त खबरें

सेवापुरी में खुला बीएसपी कार्यालय

प्रखर वाराणसी। सेवापुरी बीएसपी पार्टी के कार्यालय का किया गया उद्घाटन, जिसमें प्रमुख रुप से सेवापुरी विधानसभा के बसपा प्रत्याशी अरविंद त्रिपाठी व पूर्व बसपा प्रत्याशी महेंद्र पांडे व क्षेत्र के सम्मानित नागरिक बुजुर्ग, महिलाएं व कार्यकर्ता उपस्थित रहे । बताते चलें कि वाराणसी जिले के 391 सेवापुरी विधानसभा के विधायक प्रत्याशी अरविंद कुमार त्रिपाठी के द्वारा मिजार्मुराद स्थित खजूरी पुलिस चौकी के पास बहुजन समाजवादी पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन किया गया, तथा पार्टी के कार्यकताओं के साथ बैठक किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में अमरजीत गौतम जोनल कोआर्डिनेटर बहुजन समाज पार्टी, महेंद्र पांडे पूर्व प्रत्याशी बहुजन समाज पार्टी ,संतोष अवस्थी ,बड़े लाल शुक्ला, राम तीरथ, जय मिश्रा क्षेत्र के सम्मानित व गणमान्य इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

नंदघर पर लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, दर्जनों का हुआ उपचार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। नंदघर परियोजना वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सामाजिक पहल और हुमाना पीपल टु पीपल इंडिया के तत्वावधान में बुधवार को पिंडरा ब्लॉक के ग्राम बैकुंठपुर स्थित नंदघर पर आई कैंप सेवा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 108 महिला पुरुषों ने जांच कराई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी गई । जिसमें आई सर्जन डॉक्टर ए के गुप्ता, डॉक्टर राजेश गुप्ता, डॉक्टर गौरव गुप्ता , चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर डीके गिरी रहे। कोविड-19 का पालन करते हुए सभी को मार्क्स वितरण भी किया गया । इसके साथ ही साथ मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम भी हुए और लोगों को मतदाता जागरूकता का शपथ भी दिलाया गया । इस दौरान क्लस्टर कोऑर्डिनेटर चिराग यादव, संदेश मिश्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती माया देवी, कलावती देवी व आशा देवी उपस्थित रही।

सब रजिस्ट्रार सत्येंद्र कुमार यादव का उत्तर प्रदेश की सिविल सर्विसेज क्रिकेट टीम में हुआ चयन

मऊ। ग्राम इटकोहिया, तहसील फूलपुर, जनपद आजमगढ़ निवासी सत्येन्द्र कुमार यादव पुत्र विश्वनाथ का चयन खेल निदेशालय,उत्तर प्रदेश,खेल भवन लखनऊ द्वारा जारी की गयी चयन लिस्ट मे अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश की सिविल सर्विसेज क्रिकेट टीम मे किया गया हैद्य सत्येन्द्र वर्तमान मे तहसील घोसी,जनपद मऊ मे सब रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 10 मार्च से 15 मार्च तक भारत नगर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, चाणक्यपुरी, दिल्ली मे आयोजित किया जायेगा। गौरतलब है कि अखिल भारतीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश सिविल सर्विसेज टीम का जिला स्तरीय ट्रायल 08 सितम्बर, 2021 को मऊ मे, मंडल स्तरीय ट्रायल 10 सितम्बर, 2021 को जनपद आजमगढ़ मे तथा प्रदेश स्तरीय ट्रायल 13 व 14 सितम्बर, 2021 को मैनपुरी मे सम्पन्न हुआ था।

मनबढो ने तोड़ी नाली, मुकदमा दर्ज

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के प्यारेपुर सलाउद्दीनपुर के ग्राम प्रधान सुरेश राजभर ने कोतवाली में तहरीर देते हुये बताया है कि ग्राम पंचायत से बनी नाली को कुछ मनबढ़ों द्वारा तोड़ दिया गया। जिससे सरकारी धन का नुकसान हुआ है। जब मना किया गया तो रवि यादव, अमरेश, रमेश, हरिश्चन्द्र सहित 10 अज्ञात लोग मारपीट पर उतर गए। घोसी कोतवाली पुलिस ने ग्राम प्रधान सुरेश राजभर की तहरीर पर रवि यादव, उग्रसेन, ब्रजेश, हरिश्चन्द्र सहित 10 अज्ञात के खिलाफ सम्बंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर जाँच शुरू कर दी है।

घायल महिला का चल रहा इलाज, पति ने दी तहरीर

मधुबन, मऊ। रामपुर थाना क्षेत्र के गोठाबारी में हिस्सा को लेकर मारपीट हो गई थी। जिसमें हिरोमनी रानी व अरविंद कुमार बुरी तरह घायल हो गए थे। हिरोमनीरानी की हालत गंभीर होने के कारण ग्रामीणों ने जिले के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज चल रहा है। उक्त मामले में अरविंद कुमार द्वारा 112 नंबर डायल पुलिस को सूचना देने पर पुलिस ने गिरफ्तार कर अरुण कुमार पल्लू को शांति भंग में चालान कर दिया था। इस मामले में अरूण कुमार से पूछे जाने पर कहा इस तरह का कोई भी मामला हमारे जानकारी में नहीं था। मेरे भाई अरविंद कुमार ने दारू पीकर पत्नी से झगड़ा किया और विपक्ष के कहने पर गलत आरोप लगाया है। इधर अरविंद कुमार ने अस्पताल से लौटने के बाद तहरीर दे दिया है।सत्य क्या है पुलिस जांच के बाद ही पता चल सकेगा।

हौसला बुलन्द चोरो ने एक बार फिर ज्वेलरी की दुकान से लाखों का किया माल पार

घोसी, मऊ। पुलिस के विधान सभा चुनाव ड्यूटी में व्यस्त रहने का चोर उचक्के भरपूर लाभ उठा रहे हैं। विगत सप्ताह जहां हौसला बुलन्द चोरों ने नगर के मझवारा मोड़ स्थित अमरेंद्र श्रीवास्तव के बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर लाखों की चपत लगाई। वहीं सोमवार को चोरों ने घोसी कोतवाली क्षेत्र के पीढ़वल मोड़ पर एक ज्वेलरी की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चपत लगाई है। इस सम्बंध में पीड़ित दुकानदार ने घोसी कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। बताते चलें कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के माऊरबोझ गांव निवासी राजू वर्मा पुत्र प्रदीप वर्मा ने घोसी कोतवाली में तहरीर देते हुए कहा कि उसकी पीढ़वल मोड़ पर ज्वेलरी की दुकान है। नित्य की भांति शाम को दुकान बंद कर घर चला आया। लेकिन मंगलवार की सुबह जब दस बजे पहुंचा तो देखा कि दुकान की शटर के दोनों ताले गायब हैं।

प्रो. रेखा बनी समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम झ 1973 की धारा49 एवं परिनियम खंड 2.20 के अधीन चक्रानुक्रम में वरिष्ठताक्रम एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी जी के आदेशानुसार प्रो. रेखा आज दिनांक 23.02.2022 को समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. रेखा की शिक्षा-दीक्षा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी से हुई है। स्नातक में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली एम. ए. मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र की मेधावी छात्रा रहीं। इन्होंने बी.एड., नेट, पी.एच.डी. एवं डी.लिट. की उपाधि प्राप्त की हैं। इनका विशेषीकरण ग्रामीण समाजशास्त्र, सामाजिक जनांकिकी एवं सामाजिक शोध है। इनके अध्यापन कार्य की यात्रा लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ से 2001 से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के विभिन्न समितियों में रहते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक कार्य करती रही हैं जिसमें अध्यक्ष महिला यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति, समन्वयक एंटी-रैगिंग समिति, वर्तमान समय में विश्वविद्यालय की एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ की अध्यक्ष भी हैं। प्रो. रेखा की अब तक 6 पुस्तके प्रकाशित हो चुकी हैं एवं उनके निर्देशन में 13 पी.एच.डी. एवं 30 एम.फिल. की उपाधि विद्यार्थी प्राप्त कर चुके हैं। प्रो. रेखा को सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं जिसमे डॉ. भीम राव अंबेडकर लाइफ टाइम अचिवमेंट अवॉर्ड 2010, अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस लाइफ टाइम अचिवमेंट अवॉर्ड 2011 एवं डॉ. अंबेडकर फेलोशिप नेशनल अवॉर्ड 2021, भारतीय दलित साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा प्राप्त हुआ है। प्रो. रेखा ने विभाग के लिए अपनी भावी योजना के बारे में बताया की विद्यार्थियों के लिए नए एवं आवश्यक पाठ्यक्रमों जैसे ह्यूमन राइट्स एजुकेशन, जेंडर सेंसटाइजेशन जैसे पाठ्यक्रम प्रारंभ करना, विभागी सेमीनार, पुरातन छात्र समागम, प्लेस्मेन्ट सेल, आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना के साथ-साथ नेट, जे.आर.एफ. कोचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करना। अध्यापकों के लिए प्रोजेक्ट वर्क लाने का प्रयास के साथ-साथ अध्यापकों के लिए व्यक्तिगत चैम्बर की व्यवस्था एवं विभाग द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय सेमीनार, वर्कशाप व्याख्यान श्रृंखला, जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विभाग के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से किया जाएगा। इसस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बधाई दी। जिसमें प्रो. रवि प्रकाश पाण्डेय, प्रो. मल्लिका चतुवेर्दी, प्रो. सुशील कुमार गौतम, प्रो. बृजेश कुमार सिंह, प्रो. अमिता सिंह, डॉ. भारती रस्तोगी, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. पीताम्बर दास, डॉ. नवरत्न सिंह, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. अमिता सिंह गौतम, डॉ. सिन्नी सिंह, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. संजय सोनकर, डॉ. अशोक श्रीवास्तव, डॉ. मनोज यादव, डॉ. मनीषा, के साथ साथ गंगापुर परिसर के प्रभारी डॉ.नन्दू सिंह ने स्मृतिचिन्ह भेंट किया साथ ही डॉ. विवेक कुमार यादव, डॉ. पुरुषोत्तम लाल विजय, डॉ. रीता, गौरव सतीश, प्रियंका, शिल्पी, पूजा भारती, स्मृति,नंदलाल आदि लोग उपस्थित थे।

फूलपुर थाना क्षेत्र में ओवर ब्रिज के पास युवक की मिली लाश

प्रखर वाराणसी वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर रामपुर ओवरब्रिज पर मंगलवार देर रात्रि जगतारी,अलीगढ़, पिन कोड 202137, थाना-पिसावां निवासी ट्रक खलासी नवीन चौधरी का अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार के रात्रि लगभग 10 बजे शराब के नशे में ट्रक ड्राइवर से विवाद कर गाड़ी से उतर गया था। इसके बाद सुरही के एक ढाबे पर लगभग 12 बजे तक मोबाइल से अपने किसी परिचित से बातचीत करता रहा। थोड़ी देर बाद पैदल ही सुरही से रामपुर ओवरब्रिज की तरफ चल दिया। संभावना जताई जा रही है कि रात्रि 02 से 03 बजे के बीच किसी अज्ञात वाहन में आकर दुर्घटना हो गया। सुबह होने पर क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश मंत्री गौरीश सिंह व पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई।

हर एक मत महत्वपूर्ण मतदान करना सभी नागरिकों की नैतिक जिम्मेदारी-मुख्तार आलम

छात्रों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली मतदान के लिए किया जागरूक

प्रखर सेमिरयावां/संतकबीरनगर। खंड शिक्षा अधिकारी ऋषिकेश सिंह के निर्देश पर बुधवार को गंगैचा स्थित प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं प्रधानाध्यापक मुख्तार आलम व सहायक अध्यापक मुमताज आलम के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर लोगो को मतदान करने हेतु आह्वान किया। इस दौरान छात्रो ने छोडो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान तख्तियो पर लिखे स्लोगन व बैनर पोस्टर लेकर लोगो को जागरूक किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक मुख्तार आलम व सहायक अध्यापक मुमताज आलम

ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व पर तीन मार्च को अपने मताधिकार का प्रयोग करे। उन्होंने कहा कि हर एक मत महत्वपूर्ण है और यह सभी नागरिकों की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर जागरूक मतदाता का यह कर्तव्य है कि वह स्वयं तो मतदान करें ही साथ ही अपने परिजनों को पड़ोसियों तथा नाते रिश्तेदारों को भी प्रेरित कर मतदान के लिए कहे। लोकतंत्र को सशक्त करने में हर एक मतदाता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इस मौके पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

सारे काम छोड़ दो पहले वोट दो शिक्षकों ने मतदाता जागरूकता हेतु निकाली बाइक रैली

प्रखर जौनपुर। मुफ्तीगंज के शिक्षकों द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया गया। सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो" के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव द्वारा ब्लॉक संसाधन केंद्र मुफ्तीगंज से हरी झंडी दिखाकर के मोटरसाइकिल जुलूस को रवाना किया गया। उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षाअधिकारी ने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम अपने आसपास के जो भी मतदाता हैं उनको जागरूक करके मतदान कराने में सहयोग करेंगे ।यह रैली खड़हर डगरा, मुफ्तीगंज बाजार से होते हुए रेलवे स्टेशन पर जाकर के समाप्त हुई। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष राम कुमार सिंह राजेश कुमार सरोज, इंदु प्रकाश सरोज, अखिलेश सरोज,राधेश्याम राम, दिनेश चंद गौतम, नाथ सत्येंद्र कुंवर, जंग

दुलार यादव, सतीश पाठक, राजकुमार यादव, रामकृपाल यादव, डॉक्टर कृष्ण देव वर्मा, मनोज कुमार सिंह, रमेश कुमार सिंह, आशीष बहादुर यादव, विजय कुमार यादव सहित भारी संख्या में शिक्षकों ने मोटरसाइकिल रैली में प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय दिवस पंडित रामप्रवेश चौबे पी. कॉलेज रजला नियार द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र में 23 फरवरी प्राप्त समाचार के अनुसार पंडित रामप्रवेश चौबे पी. जी. कॉलेज, रजला ,नियार में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के

तीसरे दिन मतदाता जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को प्राचार्य डॉ. पी .के. दूबे जी और प्रबंधक पंडित सतीश चौबे जी ने कॉलेज परिसर से हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रवि नंदन मिश्र जी के नेतृत्व में प्रस्थान कराया। स्वयंसेवकों ने रजला गांव, कुशही , नियार और बाबतपुर गाँव मे नारा बोलते हुए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। पुनः 10 टोलियों में विभाजित होकर आस-पास के सभी घरों में जाकर मतदान के प्रति जागरूक किया और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सबको प्रेरित किया ' बीच- बीच में स्वयंसेवकों को उत्साहित करने में डॉ. पूजा श्रीवास्तव , डा. अलका त्रिपाठी और डॉ. नीतू सिन्हा करती रहीं ' पुनः संध्या समय संगीत के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत, राष्ट्र निर्माण गीत, राष्ट्रीय एकता के गीत प्रस्तुत किया जिसमें संगीत के मर्मज्ञ विद्वान श्री अभिषेक चौबे जी के द्वारा राष्ट्रीय गीत और.राग भैरवी प्रस्तुत किया गया ' कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अरुण कुमार पांडेय, श्री शशिकांत पांडे, श्री राहुल पांडे श्री शैलेश त्रिपाठी, शिवम सिंह,आदर्श चौबे आदि प्रमुख रहे ' अगले दिन के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रवि नंदन मिश्र ने बताया ' धन्यवाद ज्ञापन श्री विद्याकांत सिंह जी ने किया।

एनएसएस विशेष शिविर का दूसरा दिन, कई कार्यक्रम आयोजित

प्रखर जौनपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कुटीर पी जी कॉलेज चक्के जौनपुर में सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन बुधवार को विशेष अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय बॉलीबॉल खिलाड़ी और

प्रसिद्ध व्यवसाई श्री टी एन मिश्रा जी उपस्थित रहे । सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री टी एन मिश्र जी ने कहा कि शिविरार्थी इस बेहतरीन आयोजन से आत्मीय शिक्षा ले । इससे आपमें दूसरों के प्रति आदर , स्वावलंबन ,सेवा और स्वच्छता का भाव जागृत होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना देश सेवा का भाव जगाने वाला अनूठा आयोजन है । उक्त कार्यक्रम में मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्रीनिवास तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किया और रामायण के कई प्रसंगों का वैचारिक व्याख्या करते हुए शिविरार्थियों को नैतिकता के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किए । उन्होंने मंच से बोलते हुए कहा की एनएसएस सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे श्री कुंवर भारत सिंह जी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों का मानसिक और शारीरिक विकास करती है ,राष्ट्रीय सेवा योजना से बच्चों में सेवा की भावना एवं स्वच्छता का भाव जागृत होता है । कार्यक्रम को डॉ संजय यादव , शिक्षक एवं पत्रकार पंकज कुमार मिश्रा ने भी संबोधित किया । अंत में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ एन पी मिश्र जी ने उपस्थित शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व और उसमे सक्रिय सहभागिता बनाए रखने, लगातार सीखने हेतु प्रेरित किया । शिविरार्थियों ने विविध प्रकार ।कार्यक्रम प्रस्तुत किए । उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं सहयोगी उपस्थित रहे ।

सुधाकर महिला शिक्षण संस्था में राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्घाटन और साक्षरता एवं महिला सशक्तिकरण रैली का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सप्त दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन 21 फरवरी मंगलवार को सुधाकर महिला पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज खजुरी, पांडेयपुर, वाराणसी में तीनों इकाइयों की स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने अपने कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में साक्षरता विषय पर रैली का आयोजन किया। दिनांक 21 फरवरी 2022 को साक्षरता और दिनांक 22 फरवरी 2022 को महिला सशक्तिकरण रैली का आयोजन किया गया जिसमें सुधाकर महिला

पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दूबे ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। प्रथम इकाई डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, द्वितीय इकाई डॉ. अनीता सिंह, तृतीय इकाई डॉ. हेमा गुप्ता तीनों कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में अपने-अपने कार्यक्रम स्थल पुष्प रंजन बालिका विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय लालपुर द्वितीय पर जाकर बच्चों को पढ़ाया और साथ ही क्षेत्र के गांव में भी जाकर नागरिकों को और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण और साक्षरता के बारे में भी अवगत कराया। इस अवसर पर उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, समन्वयक डॉ. अशोक कुमार पांडेय, निदेशक की आशीर्वाद दूबे ने सभी स्वयंसेवी छात्राओं को आशीर्वाद और शुभकामना देते हुए कहा कि महिला सशक्त और साक्षर होंगी तभी देश भी शिक्षित और सशक्त होगा। स्वयंसेवी छात्राओं के रैली में डॉ. शशि भूषण पांडेय, डॉ. श्याम सुंदर मिश्र, श्री सुनील पांडेय, श्री अंशुल गुप्ता, डॉ. नंदलाल यादव, डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

तमंचा, बाइक मूर्ति के साथ पुलिस ने दो बदमाशों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस ने बुधवार को सुबह खालिसपुर तिराहे से एक बाइक से जा रहे दो बदमाशों को धर दबोचा। उनके पास से एक देसी तमंचा व एक पीली धातु की मूर्ति बरामद की। फूलपुर इंस्पेक्टर मुन्ना राम ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के चौकी इंचार्ज राधेश्याम हमराही सिपाहियों के साथ खालिसपुर तिराहे पर विधानसभा चुनाव को लेकर चेकिंग कर रहे थे तभी सिंधोरा की तरफ से एक बाइक पर बैठे दो लोग आते दिखे । नजदीक आने पर पुलिस को देख कर वापस लौटने लगे जिस पर सिपाहियों ने दौड़ाकर धर दबोचा। बाइक के पीछे बैठे युवक धनंजय उर्फ सिंटू सिंह निवासी रेहटी थाना जलालपुर जौनपुर के पास से कमर में खोसे लोडेड 315 बोर का तमंचा बरामद किया। वही बाइक चला रहे युवक रतन कुमार वर्मा निवासी मरूई सिंधोरा की तलाशी ली तो उसके पैंट की जेब से एक पीले धातु की भगवान शंकर की मूर्ति मिली। उसने बताया कि वह इसे 10 फीसदी सोना होने का दावा कर लोगों को बेचता है। गत 9 फरवरी को कुवार फूलपुर निवासी पंचदेव सेठ को भी इसी तरह एक मूर्ति 4 लाख में झांसा देकर बेची थी । आज भी फूलपुर में

इसे बेचने जा रहा था वहीं पुलिस ने जब बाइक के बाबत पूछा तो उसने बताया कि वह उसे कचहरी से चुराने के बाद नंबर प्लेट बदलकर चल रहा था। पुलिस ने जो जब बाइक के बारे में जानकारी की तो वह संतोष त्रिपाठी निवासी नवापुरा हनुमान पाठक थाना आदमपुर के नाम से पंजीकृत मिली । पुलिस ने गिरफ्तार युवकों 3/25 आर्म्स एक्ट तथा धारा 41, 411 व 473 के तहत जेल भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

एनएसएस शिविर में दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न 200 मीटर में आकांक्षा और 1600 में विकास अव्वल

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। जनता पीजी कालेज रतनूपुर परिसर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दूसरे दिन एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गयी। आज बुधवार को कालेज के मैदान पर आयोजित 200 मीटर की बालिकाओं की दौड़ में अंकिता सिंह को पहला जुली यादव को दूसरा तथा मनीषा को तीसरा स्थान मिला।बालिकाओ की 400 मीटर की रेस में मनीषा प्रथम अंजली द्वितीय तथा सोनाली सिंह तृतीय रही।बालको के 400 मीटर की दौड़ में अर्जुन यादव प्रथम आशीष निषाद द्वितीय सचिन यादव को तीसरा स्थान मिला। 800 मीटर बालक वर्ग में रवि यादव राजकिरन शुक्ल और आशीष निषाद क्रमश प्रथम द्वितीय व तृतीय रहे। 1600 मीटर की लम्बी रेस में विकास पाल प्रथम अमन अली द्वितीय तथा मुकेश गोंड तीसरा स्थान मिला। उद्घाटन प्राचार्य डॉ आशुतोष तिवारी व प्रधानाचार्या रजनी द्विवेदी ने फीता काटकर किया ।मुख्य रूप से डॉ अजय यादव संध्या सिंह धीरेंद्र सिंह मोहन गोंड यादवेंद्र यादव रविशंकर सिंह डॉ रीता गौतम सुनीता राजभर राजेश सिंह सुनील कुमार मणिकांत सैनी नीरज सिंह और अमित सिंह उपस्थित रहे।

रामपुर ओवरब्रिज के पास खलासी की वाहन से कुचलने से मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय मार्ग पर रामपुर ओवरब्रिज पर बुधवार की सुबह एक 32 वर्षीय युवक का शव क्षत विक्षत मिला। बाद में उसकी शिनाख्त ट्रक खलासी के रूप में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार के रात्रि लगभग 10 बजे शराब के नशे में द्युत ट्रक ड्राइवर व खलासी के बीच विवाद हो गया। जिसके बाद खलासी उतर गया और सुरही स्थित एक ढाबे से 12 बजे रात मोबाइल से अपने किसी परिचित से बातचीत की। उसके बाद वह वहां से चला गया। सुबह उसकी लाश रामपुर ओवरब्रिज के पास मिली। पुलिस के मुताबिक किसी अज्ञात वाहन से कुचलने से उसकी मौत हो गई थी। हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश मंत्री गौरीश सिंह ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त की तो मृतक नवीन चौधरी 32 वर्ष निवासी जगतारी थाना सिसवा जिला अलीगढ़ का निकला। इसकी सूचना परिजनों को दे दी गई ।

समाजसेवी सम्पूणार्नंद पांडेय अंतरराष्ट्रीय हिन्दु महासभा के बने प्रदेश महासचिव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नई दिल्ली में राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठक अंतरराष्ट्रीय हिन्दु महासभा नई दिल्ली के ब्रांड एम्बेसडर एवँ चैयरमेन श्री मोहित नवानी जी और राष्ट्रीय महासचिव अजय मिश्र ने संगठन का विस्तार करते हुये उत्तर प्रदेश के वाराणसी से समाजसेवी श्री सम्पूर्णा नंद पांडेय के सामाजिक कार्यों को देखते हुवे उन्हें संगठन में प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत किया। पांडेय जी ने सभी कार्यकताओं को आश्वाशन दिया है कि सरकार से मिलकर सभी अनुचित कार्यो पे ध्यान दिया जाएगा वाराणसी के सभी कार्यकर्ता उनका स्वागत किया और बधाई दिए।

गांव की खुशहाली और सद्बुद्धि की कामना हेतु सुंदर काण्ड का संगीतमय पाठ शिवरात्रि पर

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के खड़ौरा गांव की ब्राह्मण बस्ती में ब्राह्मण युवा एकता मंच के तत्वावधान में सुंदर काण्ड वाचन समिति की ओर से महाशिवरात्रि पर्व पर एक मार्च को रामचरितमानस के सुन्दर काण्ड का संगीतमय पाठ और भजन कीर्तन का आयोजन (पूर्व प्रधान रामअवतार पाण्डेय के दरवाजे पर) स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर किया गया है। कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य गांव की खुशहाली शांति सुरक्षा और सद्बुद्धि की कामना से ओतप्रोत है। कार्यक्रम का आगाज सविधि पूजन मंत्रोच्चार के साथ होगा। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा।इसकी जानकारी ब्राह्मण युवा एकता मंच के अध्यक्ष और सुंदर काण्ड वाचन समिति के संयोजक पंडित चन्द्रकुमार पाण्डेय ने दी है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं